E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -158 | प्रयागराज, शनिवार 06 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

भारत पर 50फीसदी टैरिफ अमेरिका की 'भारी भूल'-'बोल्टन'

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोले- मोदी-ट्रम्प की दोस्ती खत्म,व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच पहले की खास दोस्ती अब खत्म हो चुकी है। ब्रिटिश मीडिया एलबीसी को दिए इंटरव्यू में बोल्टन ने ट्रम्प की नीति की आलोचना करते हुए कहा, 'व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे मोदी रूस और चीन के करीब आ गए हैं। चीन ने खुद को अमेरिका और ट्रम्प के विकल्प के रूप में पेश किया है।' बोल्टन ने इसे एक बड़ी गलती है बताया। उन्होंने कहा- इसे अब ठीक नहीं किया जा सकता, क्योंकि स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। ब्रिटिश मीडिया एलबीसी को दिए इंटरव्यू में बोल्टन ने कहा-'ट्रम्प और मोदी के बीच पहले बहुत अच्छे रिश्ते थे, लेकिन अब वह खत्म हो गई है। यह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर जैसे सभी नेताओं के लिए एक सबक है, कि ट्रम्प के साथ अच्छी दोस्ती कभी-कभी मदद कर सकती है, लेकिन यह आपको बुरे हालात से नहीं बचाएगा।' बोल्टन की ये चेतावनी ट्रम्प की ब्रिटेन यात्रा से पहले आई है। ट्रम्प 17 से 19 सितंबर तक ब्रिटेन दौरे पर रहेंगे। भारत पर 50फीसदी टैरिफ अमेरिका की 'भारी भूल-' इससे पहले अगस्त में बोल्टन ने सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में भारत पर कुल 50फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले को 'भारी भूल' बताया था। उन्होंने ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा था कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। भारत पर 27 अगस्त से 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लागू है। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50फीसदी हो गया है।

बोल्टन बोले- दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना 'गलती' बोल्टन ने अमेरिकी अखबार द हिल में लिखा था कि व्हाइट हाउस टैरिफ और दूसरे शर्तों में चीन के प्रति भारत से ज्यादा नरमी दिखा रहा है, जो कि एक गंभीर गलती है। उनके मुताबिक, 'दोस्त और दुश्मन दोनों पर एक समान टैरिफ लगाने' से अमेरिका का वो भरोसा और आत्मविश्वास कमजोर हुआ है, जिसे बनाने में दशकों लगे थे और बदले में बहुत कम आर्थिक फायदा मिला है, जबकि बड़े नुकसान का खतरा बढ़ गया है।बोल्टन ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में अमेरिकी सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। वे पिछले कुछ महीनों से ट्रम्प की नीतियों की लगातार आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि अमेरिकी सरकार बिजनेस और सुरक्षा के मुद्दों को अलग-अलग तरीके से देख रही है, जबकि भारत जैसे देशों के लिए दोनों चीजें जुड़ी हुई हैं। अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी कि यह टैरिफ भारत-अमेरिका संबंधों को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। भारत हमेशा अमेरिका को शक की निगाह से देखेगा और कभी भी इन टैरिफ को नहीं भूलेगा। एससीओ में एक साथ नजर आए थे मोदी, पुतिन और जिनपिंग-1 सितंबर को चीन के तियानजिन में एससीओ की बैठक हुई। बैठक से पहले फोटो सेशन के दौरान भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन एक साथ नजर आए। तीनों नेताओं को एक-दूसरे का हाथ पकड़े हुए भी देखा गया। भारत, चीन और रूस के नेताओं ने आपसी दोस्ती का प्रदर्शन किया, जिससे अमेरिका बेचैन हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस को विशेष और विश्वसनीय साझेदार बताया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया के दो सबसे ज्यादा आबादी वाले देशों को दोस्त होना चाहिए।

बदलतें समीकरण

नेपाल में फेसबुक, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन,टिकटॉक को राहत

नयी दिल्ली। नेपाल सरकार ने गुरुवार को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगा दिया है। इन प्लेटफॉर्म ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। मंत्रालय ने 28 अगस्त से सात दिन की समय सीमा दी थी, जो बुधवार रात को खत्म हो गई। इस दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब, एक्स (ट्विटर), रेडिट और लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म ने पंजीकरण के लिए आवेदन नहीं किया। टिकटॉक, वाइबर, विटक, निमबज और पोपो लाइव ने पंजीकरण कर लिया है, जबकि टेलीग्राम और ग्लोबल डायरी की मंजूरी प्रक्रिया चल रही है। मंत्रालय के प्रवक्ता गजेंद्र कुमार ठाकुर ने कहा कि अगर कोई प्लेटफॉर्म रजिस्ट्रेशन पूरा करता है, तो उसे उसी दिन बहाल कर दिया जाएगा। इस प्रतिबंध से विदेश में रहने वाले लाखों नेपाली प्रभावित होंगे।

वरिष्ठ पत्रकार प्रल्हाद रिजाल ने कहा, '70 लाख से अधिक युवा पढ़ाई या नौकरी के लिए विदेश में हैं। यह प्रतिबंध उनके परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत को प्रभावित करेगा।' हालांकि, अभी तक फेसबुक या दूसरी कंपनियों की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है।

ट्रम्प की डिनर पार्टी में शामिल हुए दिग्गज टेक बिजनेसमैन,मस्क को न्योता नहीं,ट्रम्प बोले- ये हाई आई.क्यू ग्रुप

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात व्हाइट हाउस में टेक बिजनेसमैन के लिए डिनर रखा। इसमें गूगल सीईओ सुंदर पिचाई, मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग, ओपन एआई सीईओ सेम ऑल्टमैन, समेत कई दिग्गज उद्योगपति शामिल हुए। हालांकि, टेस्ला सीईओ इलॉन मस्क को न्योता नहीं दिया गया। ट्रम्प ने कहा- ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था, जब इतने सारे बुद्धिजीवी एकसाथ मिले हों। उन्होंने इस टीम को 'हाई आईक्यू ग्रुप' कहकर संबोधित किया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक यह डिनर प्रेसिडेंट हाउस के रोज गार्डन में होना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण यह स्टेट डाइनिंग रूम में किया गया। मस्क कुछ महीने पहले तक ट्रम्प के सलाहकार थे, लेकिन अब दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। इस डिनर में जेरेड इसाकमैन भी रहे। इसाकमैन ही वह शख्स हैं जिनकी वजह से मस्क और ट्रम्प के बीच दूरियां आनी शुरू हुईं। इसाकमैन मस्क के करीबी सहयोगी रहे हैं।

उन्हें ट्रम्प ने स्पेस एजेंसी नासा की लीडरशिप के लिए चुना था। जब ट्रम्प और मस्क के बीच दूरी आ गई, तो इसाकमैन का नॉमिनेशन रद्द कर दिया गया।द हिल लिखता है कि यह डिनर राष्ट्रपति ट्रम्प और सिलिकॉन वैली यानी टेक उद्योगपतियों के बीच बदलते रिश्ते को भी दिखाता है। पहले ट्रम्प और बड़ी टेक कंपनियों के बीच कंटेंट मॉडरेशन और एंटीट्रस्ट जांच जैसे मुद्दों पर अक्सर टकराव होता था। ट्रम्प आरोप लगाते थे कि टेक कंपनियां रूढ़िवादी विचारधारा (कंजरवेटिव) की आवाज को दबाती हैं और उनके पोस्ट डिलीट या सीमित करती हैं। ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में एंटीट्रस्ट मुद्दा भी हावी था। तब ट्रम्प प्रशासन यह आरोप लगाता था कि बड़ी टेक कंपनियां अपनी ताकत का दुरुपयोग कर छोटे प्रतिस्पर्धियों को दबा रही हैं। ट्रम्प के दोबारा जीतने के बाद से माहौल बदल गया है। अब टेक कंपनियों के बड़े अधिकारी ट्रम्प प्रशासन से करीबी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। वे व्हाइट हाउस की नीतियों को अपनी कॉर्पोरेट नीतियों से जोड़ रही हैं।

सड़कों पर बदसलूकी-मारपीट,बिहार बंद-'मां' के सम्मान के लिए हर जिले में प्रोटेस्ट,क्या जेडीयू के महिला वोट पर नजर

पटना। जहानाबाद की दीप्ति रानी टीचर हैं। 4 सितंबर की सुबह स्कूल जा रही थीं। अरवल मोड़ पर प्रोटेस्ट कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोक लिया। गाड़ी से उतारा और आगे नहीं जाने दिया। एक वीडियो सामने आया जिसमें दो महिला कार्यकर्ता उनका हाथ पकड़कर ले जा रही हैं। वहां पुलिसवाले भी थे, लेकिन बीजेपी कार्यकर्ताओं को रोक नहीं पाए। ये बीजेपी के बिहार बंद का एक किस्सा है। महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मंच से इश मोदी की मां को अपशब्द कहे जाने के खिलाफ बीजेपी ने ये बंद बुलाया था। 4 सितंबर को सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक चले बंद के दौरान जहानाबाद जैसी कई घटनाएं हुईं।

भागलपुर में पति-पत्नी से धक्का-मुक्की की गई। पटना हाई कोर्ट के जज की गाड़ी रोकी गई। सवाल यही है कि बिहार बंद से बीजेपी को क्या मिला, इससे फायदा हुआ या नुकसान, क्या पीएम मोदी की मां का अपमान चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनेगा,कुछ सवाल आम लोगों और एक्सपर्ट्स से पूछे। दरभंगा में 27 अगस्त को वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां को गाली दी गई थी। इसके 7वें दिन 2 सितंबर को पीएम मोदी ने सामने आकर जवाब दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- बिहार में कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं, ये देश की मां-बहन, बेटी का अपमान है।बिहार बंद का असर सभी 38 जिलों में दिखा। पटना में डाक बंगला चौराहा और इनकम टैक्स गोलंबर पर दो घंटे ट्रैफिक थमा रहा। बंद का असर सुबह 8:30 बजे से 10:30 बजे तक सबसे ज्यादा रहा। पटना के बाहर नेशनल और स्टेट हाईवे बंद कर दिए गए। दुकानें जबरन बंद करा दी गईं। गाड़ियां रोक दी गईं।लोग बोले- मुद्दा इतना बड़ा नहीं कि बिहार बंद हो. बिहार बंद पर हमने आम लोगों से भी बात की। गोविंद मित्र रोड पर रहने वाले सुनील कुमार गुप्ता दवा कारोबारी हैं। वे कहते हैं, 'राजनीति में अपशब्दों का इस्तेमाल आम है। इस मुद्दे पर बिहार बंद करना जायज नहीं है। बीजेपी का गलत फैसला था। पब्लिक इससे परेशान हुई है। बंद की टाइमिंग के बारे में सुनील कहते हैं, 'सुबह में सब बंद करा देना गलत है। बीजेपी भले इससे फायदा हो जाए, लेकिन लोगों का तो नुकसान ही है।'

'राजनीति में गालियां दें लेकिन पुरुषों के नाम से-महिला आयोग अध्यक्ष बोलीं

लखनऊ। यूपी महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने अभी हाल ही में अपने कार्यकाल का 1 साल पूरा किया है। इस दौरान महिला आयोग की तरफ से कई अहम कदम उठाए गए हैं। जिम में महिलाओं के लिए महिला ट्रेनर जैसे आदेशों को लागू करने की अहमियत को सरकार ने समझा। अब कोर्ट भी अपने फैसलों में इन आदेशों पर मुहर लगा रहा है।उन्होंने पीएम मोदी की मां पर टिप्पणी करने वालों को जमकर निशाना साधा।उनकी बुद्धि-शुद्धि करने के लिए हवन कराने की बात कही। मोदी को अपशब्द के मामले में उनसे पूछे गए कुछ सवाल- सवालः अस्पताल बाहर से दुरुस्त नजर आते हैं, लेकिन मरीजों और प्रसूताओं को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस पर क्या कहेंगी?

जवाबः जब तक परेशानी नहीं बताई जाएगी, तब तक उसका हल नहीं निकल जा सकता। यह जरूर कह सकती हूं कि मेरे पास यदि कोई परेशान महिला आएगी तो उसकी हर संभव मदद की जाएगी। सवालः पीएम की मां पर टिप्पणी के मामले में आपका क्या कहना है? जवाबः यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण मामला है। विपक्ष की घटिया मानसिकता को भी दर्शाता है। विपक्ष इस कदर बौखलाया है कि उसको यह पता ही नहीं कि वह कर क्या रहा है? भारत में तो मां का स्थान देवताओं से भी ऊपर आता है। ऐसे में प्रधानमंत्री की मां पर की गई टिप्पणी की मैं घोर निंदा करती हूं। राजनीति करना है तो राजनीति करिए, किसने रोका है। गालियां भी देनी है, तो एक-दूसरों को पुरुषों के नाम से दीजिए। महिलाओं को बीच में लाकर क्यों ऐसी बकवास करते हैं। किसने आपको ये करने का अधिकार दिया है? मैं इसकी घोर निंदा करती हूं। भगवान उन्हें बुद्धि दे तो ठीक है, नहीं नहीं तो फिर हम उनकी बुद्धि की शुद्धि के लिए हवन करा देंगे।सवालः यूपी सबसे बड़ा राज्य है, यहां की आधी आबादी के लिए आपकी तरफ से कौन से बड़े कदम वरीयता से उठाए जा रहे हैं? जवाबः महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर एक साल मैंने पूरे किए हैं। जितने काम एक साल में महिला आयोग ने किए हैं, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मेरे सभी आदेशों को सरकार की मदद से अमल में लाया गया है।उदाहरण के तौर पर जिम वाला आदेश देख सकते हैं। मैंने आदेश दिया। सरकार ने इसे अमल में लाने के निर्देश दिए। अभी कुछ दिन पहले ही हाईकोर्ट ने भी इसे माना कि ये होना चाहिए। सरकार की तरफ से मेरी पहल लागू करने के लिए मुख्यमंत्री को भी बहुत धन्यवाद।

नग्न लड़के महिलाओं को खेत में खींच रहे,मेरठ में 25किमी दायरे में दहशत,कब तक घरों में कैद रहेंगे-महिलाएं बोलीं

मेरठ। मेरठ में न्यूड लड़कों ने दहशत फैला रखी है। बीते 6 दिन में महिलाओं पर 2 बार हमले हुए हैं। महिलाओं को चोटें भी आईं, मगर उनके साथ कुछ अश्लीलता होने से पहले उन्हें बचा लिया गया। महिलाओं ने जो बयान दिए, वो चौंकाने वाले हैं-हम रास्ते पर जा रहे थे। अचानक 2 लड़के आए। उन्होंने कोई भी कपड़ा नहीं पहना था। पूरी तरह से न्यूड थे। उन्होंने हमें खेतों में खींच लिया। खेतों में काम करने वाले लोगों ने हमें बचाया। जिस भराला और इकलौता गांव में न्यूड लड़कों ने महिलाओं पर हमले किए। वो दिल्ली से उत्तराखंड जाने वाले एनएच-58 पर सिवाय टोल प्लाजा के पास सिर्फ 2किमी अंदर जाने वाले रास्ते पर पड़ते हैं। मेरठ के इन गांवों में जो कुछ चल रहा है, उसकी दहशत 25 किमी के दायरे में फैल चुकी है। महिलाएं अब ग्रुप में ही खेतों की तरफ जा रही हैं। पुलिस पिछले 5 दिन से खेतों के ऊपर ड्रोन उड़ा रही है, खेतों के पास सीसीटीवी लगवाएं हैं, ताकि न्यूड शोहदों को पकड़ा जा सके। मगर अब तक कामयाबी नहीं मिली है।ये गांव दौराला के भराला-सिवाया रूट पर पड़ता है। खेतों के बीच से होते हुए हम भी गांव के अंदर पहुंचे।

मंत्री ओपी राजभर को एबीवीपी ने भेजा लीगल नोटिस,कहा- 5 दिन में सार्वजनिक माफी मांगो

लखनऊ। उप्र सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कार्यकर्ताओं को 'गुंडा' कहे जाने के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। गोंडा निवासी एबीवीपी कार्यकर्ता आदर्श तिवारी ने वकील सिद्धार्थ शंकर दुबे के माध्यम से मंत्री को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें 5 दिन के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने या कानूनी कार्रवाई झेलने की चेतावनी दी गई है। नोटिस में लिखा है कि मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने 3 सितंबर को दिए एक बयान में एबीवीपी कार्यकर्ताओं को 'गुंडा' कहा था। इस टिप्पणी को संगठन और उसके कार्यकर्ताओं के अपमान से जोड़कर

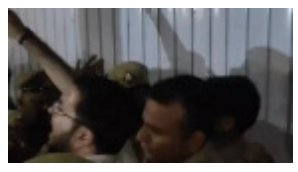

कानूनी नोटिस भेजा गया है। गोंडा निवासी आदर्श तिवारी 'आजाद' ने इस बयान को मानहानि वाला बताते हुए अपने अधिवक्ता के जरिए मंत्री को विधिक नोटिस भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि एबीवीपी देशभर में सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जिसने शिक्षा सुधार और छात्र आंदोलनों में अहम भूमिका निभाई है। कार्यकर्ताओं को 'गुंडा' कहना उनके लोकतांत्रिक अधिकार और सम्मान पर सीधा हमला है। नोटिस में मंत्री से 5 दिन के भीतर सार्वजनिक मंच पर माफी मांगने और लिखित रूप से आश्वासन देने की मांग की गई है कि भविष्य में ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं किया जाएगा। आदर्श तिवारी ने स्पष्ट किया है कि यदि मंत्री माफी नहीं मांगते हैं, तो वे उनके खिलाफ मानहानि का वाद दायर करेंगे और आंदोलन खड़ा करेंगे।

यूपी में भी वोटर लिस्ट में फर्जीवाड़ा ! हमीरपुर में 88 हजार से अधिक वोटर सूची से होंगे बाहर

हमीरपुरः उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में भी वोटर लिस्ट में फर्जीवाड़ा जांच में सामने आया है। इलेक्शन ऑफिस की बीएलओ से कराई जा रही जांच में 88 हजार से अधिक वोटर फर्जी पाए गए हैं, जिन्हें अब वोटर लिस्ट से बाहर करने की तैयारी डिपार्टमेंट ने की है। सबसे ज्यादा फर्जी वोटर एक बड़े ब्लाक क्षेत्र में मिले है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले डिपार्टमेंट वोटर लिस्ट खंगालने के साथ बूथ वार जांच भी करा रहा है। बिहार में फर्जी वोटरों को लेकर जहां विपक्ष संसद से लेकर सड़क पर इलेक्शन आयोग के खिलाफ मोर्चा खोले है वहीं अब उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में भी वोटर लिस्ट में फर्जीवाड़ा सामने आया है। राज्य निर्वाचन आयोग से एआई जांच में आठ हजार से ज्यादा वोटरों के नाम कई स्थानों पर अंकित होने पर इसका ब्यौरा मिलते ही हमीरपुर का निर्वाचन विभाग हरकत में आ गया है। निर्वाचन विभाग के सहायक निर्वाचन अधिकारी ने सभी बीएलओ को सूची भेजकर बूथवार जांच शुरू करा दी है।

सड़क पर गाड़ी खड़ी करने पर देना होगा शुल्क! बाइक के लिए 15 और कार के लिए 30 रुपए,11 सितंबर को होगा फैसला

प्रयागराज। नगर निगम ने शहर की सड़कों पर वाहन पार्किंग को लेकर नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। नगर आयुक्त की अध्यक्षता में गठित पार्किंग प्रबंधन समिति ने पहली बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पहले चरण में छह प्रमुख मार्गों पर यह व्यवस्था लागू होगी। इनमें सरदार पटेल मार्ग, नवाब युसूफ रोड, महात्मा गांधी मार्ग और जॉनसेनगंज डॉट पुल शामिल हैं। नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा के अनुसार जल्द ही इन मार्गों पर शुल्क वसूली शुरू होगी। नई व्यवस्था के तहत दोपहिया वाहनों के लिए दो घंटे का शुल्क 15 रुपए निर्धारित किया गया है। इसके बाद प्रति घंटा 7 रुपए अतिरिक्त देना होगा। 24 घंटे का शुल्क 57 रुपए और मासिक पास 855 रुपए का होगा। चार पहिया वाहनों के लिए दो घंटे का शुल्क 30 रुपए रखा गया है। अतिरिक्त समय के लिए प्रति घंटा 15 रुपए देने होंगे। 24 घंटे का शुल्क 120 रुपए और मासिक पास 1800 रुपए का होगा। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को नो पार्किंग जोन घोषित किया जाएगा। इन स्थानों पर वाहन खड़ा करने पर जुर्माना लगेगा। सड़कों पर स्पष्ट मार्किंग की जाएगी। यह प्रस्ताव 11 सितंबर को नगर निगम सदन की बैठक में रखा जाएगा। अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय ने बताया कि भीड़भाड़ वाले समय के लिए अलग दरें तय की जा सकती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में लगी भीषण आग,शॉर्ट सर्किट के चलते लाखों ख़ाक़,दमकल की 6 गाड़ियों ने पाया काबू

प्रयागराज। सरायममरेज थाना क्षेत्र के बंदी पट्टी चौराहे पर शुक्रवार रात से एक इलेक्ट्रॉनिक सामान के गोदाम में आग सुलग रही थी। सुबह अचानक आग ने भीषण रूप ले लिया जिसकी लपटे मकान के बाहर निकलने लगी थी। आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी फैल गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम से उठती ऊंची-ऊंची लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। इस दौरान गोदाम में रखा लाखों रुपए का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया।पाकर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग

पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मी लगातार पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उस पर काबू पाने में घंटों की मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते दमकल की टीमें मौके पर नहीं पहुंचती, तो आग आसपास के अन्य मकानों और दुकानों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी। वहीं, गोदाम मालिक को इस घटना से भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि गोदाम और बाजारों में सुरक्षा इंतजामों को और पुख्ता किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

लापरवाही से बच्ची की मौत,परिजन बोले-डॉक्टर की लापरवाही से गई जान,किया हंगामा

प्रयागराज। एक निजी अस्पताल में बच्ची की इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया है। मरीज के परिवार का आरोप है कि बुखार से बच्ची के पीड़ित होने पर उसे कौशांबी से लाकर प्रयागराज के सिविल लाइंस में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर के स्थान पर कंपाउंडर इलाज करते रहे। बच्ची की मौत के बाद भी उसे वेंटिलेटर पर रख कर डॉक्टर अस्पताल का बिल बढ़ाते रहे। कौशाम्बी जिले के देवखरपुर, मंझनपुर थाना क्षेत्र के दिनेश अग्रहरी ने बुखार से पीड़ित अपनी बच्ची ज्योति अग्रहरी (9 वर्ष) का इलाज के लिए रात 11 बजे प्रयागराज के चिल्ड्रन अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए इलाज से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजन बच्ची को सिविल लाइंस स्थित आरोग्यम अस्पताल लेकर गए, जहां उसे भर्ती किया गया।परिजनों के

अनुसार अस्पताल प्रशासन ने पहले 40 हजार रुपए जमा कराए। इलाज के दौरान कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था और कंपाउंडर ही इलाज करते रहे। इस बीच बच्ची की मौत हो गई। मौत के बावजूद अस्पताल की ओर से लगातार दवाएं मंगवाई जाती रही। लेकिन, हमें जानकारी नही दी गयी। परिजनों का आरोप है की कोई डॉक्टर सही से हमारी बच्ची को ध्यान नही दिया एक डॉक्टर सुबह 11 बजे राउंड पर आए बस जबकि पैसा पूरा लिया गया था फिर भी ध्यान नही दिया गया।परिजनों ने जब मौत की बात सुनी तो हंगामा करने लगे तो अस्पताल द्वारा 25 हजार पैसे देने का लालच दिया गया। परिजनों ने बताया की इस दौरान अस्पताल ने कुल 62 हजार का बिल बनाया था जिसके बाद उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए 25 हजार वापस करने की बात कही।वहीं परिवार वालों का आरोप है की बच्ची के इलाज के लिए कोई डॉक्टर नहीं आया अस्पताल के कंपाउंडर इलाज करते रहे यहां तक की बच्ची के मरने के बाद भी दो बार दवा मंगवाए।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक

बड़े धूम धाम से मनाया गया हजरत मोहम्मद साहब का जन्म दिवस।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।पैगंबर-ए-इस्लाम

हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस ईद मीलादुन्नबी पर शुक्रवार को रायबरेली जिलेभर में जश्न का माहौल रहा। शहर से लेकर गांव तक लोगों ने खुशी और अकीदत के साथ त्योहार मनाया। शहर में पारंपरिक जुलूसे मोहम्मदी बड़ी धूमधाम से निकाला गया। इसमें बच्चों, महिलाओं, उलमा-ए-किराम समेत विभिन्न अंजुमनों और मदरसों ने बढ़-चढ़कर शिरकत की। सुबह करीब साढ़े आठ बजे यह मरकजी जुलूस एदारा-ए-शरैया खिन्नी तल्ला से शुरू होकर खोया मंडी, कैपरगंज, घंटाघर, रेलवे स्टेशन, डबल फाटक और जहानाबाद से गुजरता हुआ पुनः खिन्नी तल्ला चौराहे पर सलातो सलाम और दुआ के साथ संपन्न हुआ। रास्तेभर जगह-जगह लंगर और सबील के स्टॉल लगाए गए। अंजुमनों द्वारा सजाई गई मक्का-मदीना की झांकियां आकर्षण का केंद्र बनीं। पूरे शहर का माहौल रौशन और जश्न के रंगों में डूबा रहा।

गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ गणपति को दी गई भाव भीनी बिदाई।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। दिनांक 5 सितंबर 2025 भाद्र शुक्ल पक्ष की

त्रयोदशी तिथि पर बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर प्रांगण में 10 दिवसीय गणपत महोत्सव के अंतिम दिवस पर प्रात काल गणपति भगवान का पूजन अर्चन मुख्य यजमान मुन्नू त्रिवेदी के द्वारा संपन्न किया गया। गणेश जी को मोदक लड्डू, कढ़ी चावल, केला का भोग लगाया गया । सायंकालीन बेला में चंदापुर राज परिवार के छोटे राजा हरसेंद्र सिंह, ममता सिंह, मुख्य रूप से उपस्थित थी। इनके द्वारा 108 कमल के फूल का माला गुलाब का माला, दुर्वांकुर का माला गणेश जी को पहनाया गया । तत्पश्चात सामूहिक आरती संपन्न हुई। भक्तों को पूरी सब्जी खीर प्रसाद का वितरण किया गया । जगमोहनेश्वर धाम कमेटी के मुख्य व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव द्वारा अवगत कराया गया कि दिनांक 6 सितंबर को प्रातः 9:00 बजे गणेश जी का पूजन अर्चन होगा 10:00 बजे से हवन का कार्यक्रम होगा। गणेश जी एक सजे हुए रथ पर विराजित होंगे और राजघाट के लिए विसर्जन के लिए प्रस्थान करेंगे। सभी नगर वासियों से अनुरोध है की 10 दिवसीय गणपत महोत्सव अंतिम दिवस विसर्जन के कार्यक्रम में उपस्थित होकर के कार्यक्रम की भव्यता को प्रदान करने का कष्ट करें।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराजःआज अपने पुत्र हनुमान जी को माँ गंगा,यमुना,सरस्वती त्रिवेणी संगम ने पाँचवी बार स्नान करवाया।

प्रयागराज। संगम स्थित बड़े हनुमान जी को गंगा मां ने एक बार

फिर गंगा स्नान कराया। शुक्रवार को शाम 5:30 बजे स्नान कराया। यह पहली बार है कि एक सीजन में 5वीं बार गंगा मां ने हनुमान जी को स्नान कराया। गंगा यमुना का जलस्तर बढ़ने से एक बार फिर से जलस्तर मंदिर परिसर में पहुंच गया जिससे बड़े हनुमान जी ने 5 वीं बार स्नान किया। इस दौरान मंदिर परिसर में पूरे श्रृंगार के साथ पूजा अर्चना और आरती करके कपाट बंद कर दिए गए।बड़े हनुमान मंदिर में गंगा का जलस्तर पहुंचना और बड़े हनुमान जी का स्नान करना यह बहुत ही अद्भुत पल होता है मंदिर के मुख्य पुजारी महंत बलवीर गिरी ने विधिवत पूजा-अर्चना और अभिषेक कर शंख, घंटे और ड्रम बजाकर भगवान हनुमान की महाआरती संपन्न कराई। इसके पश्चात मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए हैं।मंदिर के महंत और पुजारियों द्वारा मां गंगा के आगमन पर विशेष पूजा-अर्चना और आरती की गई। विधि-विधान से पूजा के पश्चात मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। मान्यता है कि जब मां गंगा स्वयं हनुमान जी को स्नान कराती हैं, तो वह क्षण अत्यंत पावन और फलदायक होता है। इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दुर्लभ दृश्य के साक्षी बनने मंदिर परिसर में उमड़ पड़े। जैसे ही गंगा जल मंदिर में प्रवेश कर गर्भगृह तक पहुंचा, भक्तों में उल्लास की लहर दौड़ गई।हर बार की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने बड़े हनुमान जी का एक विग्रह मंदिर के बाहर स्थापित कर दिया है, जिससे भक्तगण मंदिर के बाहर से ही दर्शन कर सकें। मंदिर के कपाट अब गंगा-यमुना के जलस्तर के कम होने और विधिपूर्वक पूजन के बाद ही खोले जाएंगे।

प्रयागराज के करैली थानाध्यक्ष आशीष सिंह के कुशल नेतृत्व में 12 रबीउलअव्वल सकुशल सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। दिनांक 4/5 की रात

को 12 रबीउलअव्वल का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं शांति-व्यवस्था के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर करैली क्षेत्र में जुलूस ए मुहम्मदी व अन्य जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा। थानाध्यक्ष आशीष सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सम्पूर्ण व्यवस्था को सफलतापूर्वक संभाला गया। उनकी देखरेख में सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए गए थे, जिसके कारण कहीं भी कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई। स्थानीय नागरिकों ,ज़िला अपराध निरोधक के सदस्यों ने भी प्रशासन का सहयोग करते हुए भाईचारा, सद्भावना और अमन-चैन का संदेश दिया। सभी धर्मों के लोगों ने परस्पर एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम की सफलता पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं आम जनता ने थानाध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

रामस्वरूप विश्वविद्यालय में छात्रों पर लाठीचार्ज और शैक्षणिक अनियमितताओं के विरोध में एबीवीपी सोनभद्र ने निकाली रॉबर्ट्सगंज मसाल जुलूस यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रामस्वरूप विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन पर बाहरी असामाजिक तत्वों द्वारा हमले और पुलिस द्वारा किए गए बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

(एबीवीपी), सोनभद्र इकाई ने शुक्रवार शाम रॉबर्ट्सगंज नगर में एक जोरदार मसाल जुलूस यात्रा निकाली। यात्रा के माध्यम से विश्वविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक अनियमितताओं, विधि पाठ्यक्रमों की मान्यता की कमी, छात्रों के लिए बने भवनों पर अवैध कब्जे, और कोर्ट के आदेशों की अनदेखी जैसे गंभीर मुद्दों पर तीव्र विरोध दर्ज किया गया। एबीवीपी की प्रमुख माँगें इस प्रकार हैं:- 1. लाठीचार्ज घटना में पुलिसकर्मियों व बाहरी गुंडों सहित सभी दोषियों पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए। किसके आदेश पर लाठीचार्ज किया गया यह सभी प्रश्न अभी भी अनुत्तरित हैं जिनका उत्तर अतिशीघ्र सार्वजनिक किया जाए। 2. विधि छात्रों के वर्तमान को भ्रम में रखकर भविष्य के साथ खिलवाड़ कर नवीनीकरण व अनुमति के बिना विधि पाठ्यक्रम के अवैध संचालन की समग्रता से तथ्यात्मक जांच की जाए व पूरी प्रक्रिया में जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को दंडित किया जाए। विलम्ब शुल्क के नाम पर अर्थदण्ड के रूप में बड़ी धनराशि की उगाही, सामाजिक कल्याण के नाम पर लिए जाने वाले शुल्क,निर्धारित मानक आदि की भी सघनता से जांच कर रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। जांच प्रक्रिया पूर्ण होने तक विश्वविद्यालय को सील किया जाए। 3. उच्च शिक्षा परिषद के सचिव द्वारा दर्ज कराई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर रामस्वरूप विश्वविद्यालय पर कार्यवाही आरम्भ की जाए। चांसलर, वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार सहित अन्य दोषियों की गिरफ्तारी हो। 4. श्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय ने लगभग 6 बीघे सरकारी भूमि (नाली, तालाब, बंजर व चकमार्ग) पर अवैध कब्जा कर लिया था।राजस्व जांच के बाद मामला तहसीलदार कोर्ट पहुँचा, जिसने 25 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय प्रबंधन पर ?27.96 लाख जुर्माना लगाते हुए कब्जा हटाने का आदेश दिया। कोर्ट ने 15 दिन में जुर्माना अदा कर स्वयं अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया गया है।कब्जा हटाने हेतु बुलडोजर कार्यवाही की जाए।
"ञ्ञ पदाधिकारियों ने क्या कहा:- शशांक मिश्रा (प्रदेश सह मंत्री, एबीवीपी) ने कहा-'छात्रों की आवाज़ को दबाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्र हितों की रक्षा के लिए एबीवीपी हर स्तर पर संघर्ष करेगा।

' सौरभ सिंह (विभाग संयोजक) ने कहा,'यह मसला केवल एक विश्वविद्यालय का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश के छात्रों के भविष्य से जुड़ा है।' ललितेश मिश्रा (जिला संयोजक) ने चेतावनी दी, 'यदि आगामी 48 घंटों के भीतर प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो एबीवीपी प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन शुरू करेगा।' कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहेः प्रान्त जनजाति कार्य प्रमुख मनमोहन, प्रान्त कार्यसमिति सदस्य अनमोल सोनी,तहसील संयोजक राहुल जलान पूर्व जिला संयोजक सौरभ चौबे और मृगांक दुबे,अतुल पांडे,मनीष पटेल,आशुतोष मोदनवाल,सत्यम शुक्ला,अभय सिंह, आलोक सोनकर, हर्ष चौबे, आनंदजीत सिन्हा,नितेश पांडेय,अनिकेत सिंह,श्याम पाठक,शशांक मिश्रा,केतन,साहिल पांडेय,शिवेंद्र यादव,अंकित भट्ट,सक्षम पांडेय,विकास पांडेय,आयुष पाठक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दुखी शिक्षकों ने नहीं मनाया शिक्षक दिवस-राजेश शुक्ला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।केन्द्र सरकार द्वारा गुप-चुप तरीके से सेवारत शिक्षकों की सेवारत शर्तों में किए

गए संशोधन और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसे बाध्यकारी किए जाने से आहत शिक्षक समाज ने आज शिक्षक दिवस के अवसर पर किसी भी सम्मान से स्वयं को दूर रखा,शिक्षकों ने शिक्षक दिवस की बधाई लेने और देने से परहेज किया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में आज शिक्षकों ने ट्विटर अभियान चलाकर लाखों ट्वीट के माध्यम से केन्द्र सरकार के इस कदम का विरोध जताया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा गुप-चुप तरीके से सेवा शर्तों में संशोधन और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से शिक्षक समाज हतप्रभ है। अध्यक्ष,जिला संघर्ष समिति पंकज द्विवेदी ने कहा कि शिक्षक के समक्ष आज आजीविका का संकट खडा हो गया है,सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दुःखी लाखों शिक्षकों ने इस बार शिक्षक दिवस नहीं मनाया। जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा गुप-चुप तरीके से किए गए संशोधन से देश भर में 10 लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों की नौकरी पर संकट मँडरा रहा है। जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने कहा कि पच्चीस-तीस वर्ष से सेवारत शिक्षक को परीक्षा देने के लिए बाध्य करना कहां तक उचित है। जनपदीय उपाध्यक्ष डा बृज किशोर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निजी स्कूलों पर लागू किया गया तो इससे प्रभावित शिक्षकों की सम्भावित संख्या करोड़ में होगी। जनपदीय कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि इस निर्णय से शिक्षक दुःखी एवं चिन्तित हैं,इसलिए आज शिक्षक दिवस न मनाने का निर्णय लिया गया है।जनपदीय संयुक्त मंत्री डा चंद्र मणि बाजपेई ने कहा कि सदैव की भाँति शिक्षक दिवस पर देश एवं सभी प्रदेश की सरकारें मंच सजाकर चंद शिक्षको को चंद लम्हों का सम्मान देंती हैं लेकिन आज हमारे अंदर असुरक्षा है। जनपदीय उपाध्यक्ष जटाशंकर बाजपेई ने कहा कि आज सम्मानित होने वाले कुछ ऐसे शिक्षक भी होंगे जिन्हें भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाये गये कानून के कारण दो साल बाद सेवा से निकाले जाने की चिंता सता रही होगी। महाराजगंज अध्यक्ष विनोद अवस्थी ने कहा कि क्या ऐसी विषम परिस्थिति में मिलने वाले उस सम्मान को शिक्षक मन से स्वीकार करेगा। सरेनी अध्यक्ष राकेश द्विवेदी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाये गये कानून के क्रम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गये निर्णय से देश भर के दस लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों के सामने दो वर्ष बाद सेवा से बाहर किए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

शिवगढ अध्यक्ष गयेन्दु सिंह ने कहा कि हम प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध करते हैं कि शिक्षकों के साथ न्याय करने की घोषणा करें,उनकी घोषणा ही शिक्षकों के लिए वास्तविक सम्मान होगा। इस अवसर पर जनपदीय उपाध्यक्ष दिनेश सिंह,जनपदीय उपाध्यक्ष अनुराग शुक्ला,जनपदीय संगठन मंत्री आकाश त्रिपाठी,जगतपुर अध्यक्ष डा संजय सिंह,डलमऊ अध्यक्ष योगेश सिंह,अमावां अध्यक्ष अशोक पाल,डीह अध्यक्ष कमलेश ओझा,छतोह अध्यक्ष आदित्य पाण्डेय,डीह मंत्री नीलेश शुक्ला,सलोन अध्यक्ष राजेश पाण्डेय, जनपदीय संघर्ष समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव सहित शिक्षक समाज ने शिक्षक दिवस का बहिष्कार किया।

आर्यन एकेडमी में शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य आयोजन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दी आर्यन्स

एकेडमी संत नगर रावटर्सगंज में आज दिनांक 05.09.2025 को शिक्षक दिवस के अवसर पर एक भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री विनोद कुमार जालान जी ने महान दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक समाज का आधार स्तंभ होते हैं और उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती चित्रा जालान ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षकों के योगदान और उनके मार्गदर्शन की महत्ता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि एक शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देता बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में ऑफिस इंचार्ज श्री नवीन पांडेय जी ने भी शिक्षकों के महत्व पर प्रेरक उद्बोधन दिया। सभी शिक्षकों ने भी मंच पर आकर अपने अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प दोहराया। विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक एवं प्रतिभायवी कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया इस अवसर पर बच्चो ने नृत्य का भी प्रदर्शन दिया एंव कुछ ने शिक्षको के सम्मान में चन्द शब्द कहे जिसमें वैष्णवी, आराध्या, अंशिका, धान्या, अनुष्का, मांसी, काव्या आदि ने भाग लिया। अंत में शिक्षकों को सम्मानित करते हुए विद्यालय के प्रबन्धक श्री विनोद कुमार जालान जी ने शिक्षको को उपहार भी भेंट किया। यह कार्यक्रम शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान की अनूठी मिसाल बना और सभी उपस्थित लोगों के लिए अविस्मरणीय रहा। जिसमें श्री नवीन कुमार पाण्डेय, महेश त्रिपाठी उमाकान्त दुबे, अश्वनी मिश्रा, नितिश, योगेश, हरिओम, श्रीमति सुसमा पाण्डेय, प्रतिमा चौबे प्रियंका भट्टाचार्या, निशा चौबे, रोमा, अर्पणा सुल्ताना याशमीन जहा व अन्य शिक्षक व शिक्षिकिए उपस्थित रहें।

दो गुटों के बीच चली गोली,चले ईंट-पत्थर,एक युवक को गोली लगी

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर इलाके में कबाड़ी वाली

गली में शुक्रवार शाम दो गुटों के बीच हुए विवाद में अचानक गोली चल गई। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार गोली चलने के बाद घायल युवक पर ईंट-पत्थर भी फेंके गए, जिससे उसकी हालत और बिगड़ गई। घायल युवक को मौके पर पहुंची शिवकुटी थाना पुलिस ने तुरंत अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज जारी है। घायल युवक ने पुलिस को बताया कि वह पूरी तरह से बेकसूर है और विवाद में शामिल नहीं था। हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि घायल युवक भी मारपीट में शामिल था।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में ओरिएंटेशन डे का पाँचवां दिन धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग

सेंटर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम के पाँचवें दिन का आयोजन बड़े उत्साह

और गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण, केक काटने की रस्म और शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम केविशिष्ट अतिथि डॉ. जैस्मिन पाल रहीं, जिन्होंने छात्रों को प्रेरणादायक वक्तव्यों से संबोधित किया और जीवन में अनुशासन, ईमानदारी तथा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण से हुई, जिसमें छात्रों एवं स्टाफ ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इसके उपरांत केक कटिंग सेरेमनी आयोजित की गई, जिसमें सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों ने सहभागिता की। शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्रों ने शिक्षकों को उपहार भेंट कर उनका सम्मान किया।

इस भावनात्मक पल में शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। संस्थान के प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया और ऐसे आयोजनों को छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक बताया।

बारिश के चलते बह गयी पुलिया, शिकायत बाद भी नहीं दिया गया था ध्यान आवागमन पूरी तरह से ठप्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी, न्यू बरौंधा को जाने वाली शहडोल को दिए जाने के साथ ही, लगभग 150 लोगों द्वारा जवाबदार जिम्मेदार लोगों से शिकायत बाद भी, नजर अंदाज

एक मात्र सड़क बारिश के चलते बह जाने से आवागमन बुरी तरह से प्रभावित होने के साथ ही बच्चे जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे हैं व अस्पताल, बाजार आने जाने में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि 11 जुलाई को बारिश के चलते पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी। स्थानीय पार्षद एवं वार्डवासियों द्वारा तभी से शिकायतें नगर पंचायत, एसडीएम महोदय, कलेक्टर महोदय सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। लेकिन समय रहते ध्यान नहीं दिए जाने के कारण, कल रात बारिश के कारण कार्यालय नगर परिषद् ब्यौहारी वार्ड नंबर 9 न्यू बरौंधा को जाने वाली सड़क और पुलिया बह गयी। जवाबदार जिम्मेदार लोगों द्वारा समाधान की जगह, शिकायत कटवाने बनाया गया था दवाब। वार्ड नंबर 9 के पार्षद धर्मेन्द्र सिंह से प्राप्त जानकारी अनुसार बताया गया कि कर दिया गया, वार्ड वासियों द्वारा समस्या का निराकरण नहीं होने से, सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई गयी थी, लेकिन जिम्मेदार लोगों द्वारा दवाब बना कर,, सीएम हेल्पलाइन से शिकायत कटवाने जोर दिया गया। क्षतिग्रस्त पुलिया बनवाने के लिए ध्यान नहीं दिया गया, पुलिया जब क्षतिग्रस्त हुई थी तभी जवाबदार जिम्मेदार लोग ध्यान दिए होते तो आवागमन प्रभावित न होता।

15000 रुपए का इनामिया अभियुक्त गिफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। थाना फेस-2 पुलिस द्वारा सामान (लेडीज हेंड बैग आदि) की चोरी कर एकत्रित किया जाता था,

लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से चोरी करने वाला 15000 रुपए का इनामिया अभियुक्त अभय प्रताप सिंह पुत्र गोविन्द सिंह काs NSEZ मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से चोरी किए गए माल की बिक्री के शेष 5200 रुपए बरामद किए गए है। अपराध करने का तरीका- अभियुक्त द्वारा वादी की कम्पनी में सिक्योरिटी गार्ड का कार्य कर धीरे-धीरे कम्पनी से कीमती जिसे बाद में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में सस्ते दामों में बेचकर मुनाफा कमाता था। अभियुक्त अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देता था। अभियुक्त के अन्य 02 साथियों को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है व अभियुक्त अभय प्रताप सिंह उपरोक्त वांछित चल रहा था व 15000 रुपए का इनामिया अभियुक्त था।

एवियर कॉलेज में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 नोएडा स्थित प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। छात्रों ने शिक्षकों के ने अपने संबोधन में कहा कि 'शिक्षक ही विद्यार्थियों के भविष्य की नींव

एवियर कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भाषणों और प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुजनों का सम्मान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप मार्गदर्शन और प्रेरणा को अपनी सफलता की कुंजी बताते हुए उन्हें सम्मान-पत्र और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में संस्थान की प्रबंध निदेशक कनिका सिंह, कार्यकारी निदेशक अमरेश कुमार, डीन अकादमिक्स डॉ. अभिषेक स्वामी व सभी शिक्षक मौजूद रहे। कार्यकारी निदेशक अमरेश कुमार रखते हैं। उनका मार्गदर्शन जीवन में सही दिशा और प्रेरणा देता है।' इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिनमें शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा परिसर शिक्षक-छात्र संवाद, भावनात्मक पलों और कृतज्ञता के माहौल से गुंजायमान रहा।

मीडिया क्लब ने मनाया महासचिव समेत वरिष्ठ पत्रकारों का जन्मदिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शुक्रवार को नोएडा जन्मदिन मनाया गया,इस अवसर पर मीडिया क्लब के जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद

मीडिया क्लब में क्लब के सदस्यों का जन्मदिन मनाया गया, गौरतलब है की बीते दिनों मीडिया क्लब के महासचिव जयप्रकाश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार सिंह,सुरेश चौधरी, प्रवेश चौधरी और ऋषि तिवारी का जन्मदिन रहा,क्लब में भव्य कार्यक्रम के जरिए सभी वरिष्ठ पत्रकारों एवं महासचिव का अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने सभी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दी और कहा कि मीडिया क्लब में समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, उन्होंने कहा कि मीडिया क्लब नोएडा के पत्रकारों के लिए कई नयी योजनाएं भी शीघ्र लागू करने जा रहा है। इस अवसर पर सचिव शर्मा और आंचल यादव,वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिन्हा, मोहम्मद आसिफ राजेश शर्मा, संगीता चौधरी, सुमन चौधरी, हरवीर चौहान, पवन बैरागी, धीरेंद्र अवाना, योगेश राणा, हेमंत कुमार, अनुज गुप्ता, वरुण श्रीवास्तव,संजीव विनायक गुप्ता, कंचन भारद्वाज, रंजीत पांडे, आदि मौजूद रहे ।

संस्कार अध्ययन केन्द्र गढ़ी में शिक्षक दिवस समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गढी संस्कार अध्ययन केन्द्र गढ़ी में शिक्षक दिवस समारोह बड़े

ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गीत, कविता और नृत्य प्रस्तुत कर अपने शिक्षकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा चयनित तीन अध्यापिकाओं को उनके उत्कृष्ट शिक्षण एवं समर्पण के लिए 'Best Teachers Award 2025' से सम्मानित किया गया। सम्मानित अध्यापिकाएँ रहीं - श्रीमती दीक्षा (संस्कार अध्ययन केन्द्र सरफाबाद), को डॉ. एन.के. अम्बष्ट के द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीमती सीमा (संस्कार अध्ययन केन्द्र कोंडली) को श्री वेद प्रकाश तथा श्री राम किशन के द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीमती प्रिंसी (संस्कार अध्ययन केन्द्र गढ़ी) को श्रीमती विभा बंसल के द्वारा सम्मानित किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह के दौरान बच्चों ने फूल एवं कार्ड भेंट कर अपने भाव प्रकट किए। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, कृतज्ञता और भावनात्मक जुड़ाव से सराबोर रहा। इस अवसर पर लोकमंच के पदाधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि - डॉ. एन.के. अम्बष्ट, महेश सक्सेना, श्रीमती जयश्री, श्रीमती विभा बंसल, आर एन श्रीवास्तव, मुकुल बाजपेयी, सुभाष सिंघल, कुशाग्र अवश्थी, कुशाग्र, श्रीमती लीका सक्सेना , वेद प्रकाश, राम किशन, श्रीमती मुक्ता, श्रीमती आशु, श्रीमती अल्का चौहान एवं मुकेश चंद शर्मा उपस्थित रहे। समारोह के उपरांत अध्यापिकाओं द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट भोजन का सभी ने सामूहिक रूप से आनंद लिया। यह आयोजन बच्चों और शिक्षकों के बीच स्नेह, सम्मान एवं सहयोग की भावना का सशक्त उदाहरण बनकर स्मरणीय हो गया।

श्रीराम मित्र मंडल नोएडा ने सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में भूमिपूजन कर श्रीरामलीला मंचन की तैयारियों का किया श्रीगणेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति ने आज सेक्टर-

62,नोएडा स्थित लीला स्थल रामलीला मैदान में भूमिपूजन कर श्रीरामलीला मंचन एवं श्रीरामलीला महोत्सव 2025 की तैयारियों का श्रीगणेश कर दिया है।भूमिपूजन के उपरांत आज से रामलीला की विधिवत तैयारियाँ शुरू हो गईं हैं।भूमिपूजन के शुभ अवसर पर नोएडा विधायक पंकज सिंह के प्रतिनिधि अनिल सिंह,श्रीराम मित्र मंडल नोएडा के चेयरमैन उमशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल, महासचिव डॉ॰मुन्ना कुमार शर्मा,कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग,सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष बजरंगलाल गुप्ता, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, मनोज शर्मा,विपिन गुप्ता,पवन गोयल,एसएमगुप्ता,मुकेश गोयल,मुकेश गुप्ता,महेश गुप्ता,महेश शर्मा ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया एवं कहा कि इस वर्ष रामलीला मंचन 22 सितंबर से 3 अरोड़ा,चक्रपाणि गोयल,मनीष गोयल, साहिल चौधरी, गिरिराज, डॉ.एसपीजैन,आर के अग्रेती,अनंत वर्मा,राजेश माथुर,उपदेश भारद्वाज,रामनिवास बंसल, राकेश कुमार सिंह, पवन शर्मा, सतेंद्र शर्मा, एनकेअग्रवाल, सुधीर पोरवाल, सुशीला शर्मा, बिजेंद्र राय, किशनलाल, राजकुमार शर्मा, बाबूराम, कमलाकांत राय, एसकेगुप्ता, विनय हिन्दू, बीकेराय,सहित शहर के सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पूजा के दौरान भगवान श्रीराम,माता सीता, लक्ष्मणजी और हनुमान जी की विशेष पूजा की गई और इसके बाद आरती की गई।प्रसाद वितरण के पश्चात भंडारा का आयोजन किया गया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव डॉ॰मुन्ना कुमार अक्टूबर तक भव्य रूप में आयोजित की जाएगी,जिसमें मुरादाबाद की प्रसिद्ध मंडली शिवाकला लोक कल्याण समिति के पचास से अधिक कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।26 सितंबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जायेगी।समिति के चेयरमेन उमाशंकर गर्ग एवं अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने सभी उपस्थितजनों को धन्यवाद दिया।लीला मंचन के लिए 150 फुट के स्टेज को तीन हिस्सों में विभाजित किया जाएगा,जिसमें पहला हिस्सा जंगल, दूसरा हिस्सा पहाड़ और तीसरा हिस्सा राम दरबार के रूप में सजाया जाएगा। सभी अतिथियों,कलाकारों और दर्शकों की सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्था की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षक दिवस के अवसर पर सपा नोएडा महानगर ने धूमधाम से मनाई डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शिक्षक दिवस के अवसर पर सपा नोएडा महानगर संगठन

ने महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में निठारी सेक्टर 31 में बीएस मेमोरियल स्कूल के प्रांगण में नोएडा महानगर शिक्षक सभा के अध्यक्ष राजेश अंबावत के नेतृत्व में भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती धूमधाम से मनाई। इस मौके पर तीन शिक्षकों को अच्छे काम के लिए सम्मानित करने का भी काम किया गया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा की शिक्षक छात्रों के जीवन का महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बताया। शिक्षक छात्रों को भविष्य में सही राह दिखाते हैं और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में- रेशपाल अवाना,बबलू चौहान, मोहम्मद नौशाद, वीरपाल प्रधान, वीरपाल अवाना, गौरव कुमार यादव, भीष्म यादव, मुकेश यादव, टीटू यादव, एडवोकेट रणपाल अवाना,सतवीर यादव, बाबा जयवीर, लोकेश यादव,बबली शर्मा, राम सहेली, अमित बसोया,रोहित यादव, अमित यादव, नीरज, सौरभ, बिजेंद्र यादव, राज यादव, कृपा शंकर यादव, गुलजार अल्वी, विश्वास मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

'मां के नाम पर विधवा विलाप करना शुरू कर दिया',मुंगेर में सपा जिला अध्यक्ष बोले- 'प्रधानमंत्री प्रोपगेंडा फैला रहे'

मुंगेर। मां के नाम पर हो रही राजनीति और राज्य के साथ जिला में है, वही वोटर अधिकार यात्रा से घबराए नोटबंदी में महिलाओं को लाइन लगाने

चर्चा को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं ने सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव की अध्यक्षता में मुंगेर जिला मुख्यालय के अस्थायी कार्यालय बेलन बाजार में आपात बैठक आयोजित कर सरकारी बंद पर जमकर बरसे। सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि, 'एक तरफ पूरा राज्य बाढ़, भ्रष्टाचार, अपराध जैसे समस्याओं से जूझ रहा वाले बीजेपी-जेडीयू के स्वामी अब मां के नाम पर विधवा विलाप करना शुरू कर दिया है लेकिन जनता नौटंकी और प्रपंचों की भाषा समझ रही है।' उन्होंने आगे कहा की, 'बाढ़ के मुआवजा राशि के नाम पर जिस तरह से प्रखण्ड अंचल कार्यालय व पंचायत के प्रतिनिधि अपने बिचौलिया के माध्यम से वसूली कर रहे हैं जिलाधिकारी इस पर अविलंब रोक लगाए अन्यथा समाजवादी पार्टी कार्यालय में तालाबंदी करेगी।'बैठक में मौजूद समाजवादी लोहिया वाणी के प्रदेश महासचिव रविकांत झा ने कहा कि समाज को विध्वंसक द्वार पर पहुंचाने वाले प्रधानमंत्री प्रोपगेंडा फैला कर मां का रोना रो रहे हैं? लेकिन जब दूसरों की मां को जर्सी गाय 50 करोड़ की बार्बी डॉल कांग्रेस की विधवा और ना जाने कितनी गंदी गंदी फब्तियां कस रहे थे तब क्या इसकी नैतिकता मर गई थी।वहीं जिला सचिव नकुल यादव एवं मुंगेर नगर अध्यक्ष मो आजम ने कहा की जब गाली देने वाला पुलिस हिरासत में है और और भाजपा के साथ उसकी संलिप्तता जग जाहिर हो चुकी है, फिर सरकारी पार्टी का ये बंद समझ से परे है। बैठक में जमालपुर नगर अध्यक्ष अमर शक्ति जिला मीडिया प्रभारी मनोज क्रांति छडपन मंडल सुधीर गुप्ता मथुरी यादव आदि उपस्थित थे।

लालू बोले-ए मोदी जी, गुजराती फॉर्मूला बिहार में नहीं चलेगा,बंद पर तेजस्वी का तंज-भाड़े पर लोग बुला लेते

पटना। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पीएम मोदी पर सियासी वार किया है। उन्होंने अपने फेसबुक पर लिखा है कि, ऐ मोदी जी, विक्ट्री चाहिए बिहार में और फैक्ट्री दीजिएगा गुजरात में ? ये गुजराती फॉर्मूला बिहार में नहीं चलेगा। वहीं एनडीए के बिहार बंद पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को पीटा लेकिन फिर भी ये नकारे लोग पंचायत तो छोड़िए एक वार्ड तक बंद नहीं करा पाए।''मुझे बार-बार कमजोर करने की साजिश हुई। पहले मुझे परिवार से अलग किया गया, फिर पार्टी से। बूढ़ी मां के साथ घर से निकालकर सड़क पर फेंकवा दिया गया। इसके बावजूद मैं नहीं टूटा।'

ने बीजेपी को घेरा है। तेजस्वी ने अपने एक्स पर लिखा है कि, 'काश! रैली की तरह बिहार बंद के लिए भी भाड़े पर लोग बुला लेते। जैसे रैली में पुलिस और प्रशासन पर दबाव देते है ऐसे ही बंद के लिए पुलिस को ही बोल देते वो ही ट्रैफिक रुकवा देते। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी ने कल बिहार में दुनिया भर की गुंडागर्दी की। तेजस्वी ने कहा कि, भाजपाई गुंडों ने सरेआम महिलाओं को पीटा, शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओं को रोका, बुजुर्गों को धक्का दिया, छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार किया, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस रोकी, शहीद के परिजनों लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मुजफ्फरपुर के एमआईटी परिसर में गुरुवार को आयोजित नव संकल्प महासभा में ये बातें कहीं। लगभग 20 मिनट के भाषण में चिराग ने एक बार भी एनडीए का नाम नहीं लिया, लेकिन कांग्रेस और राजद पर जमकर हमला बोला।चिराग ने कहा, 'बिहार की 65फीसदी आबादी 35 साल से कम उम्र की है। उन्हें एकजुट करना बेहद जरूरी है।' सभा में मौजूद वरिष्ठ नेताओं ने चिराग पासवान को बिहार का भविष्य और मुख्यमंत्री पद का चेहरा बताया। चिराग के आगे-पीछे चलने से एनडीए के दूसरे दल भी कन्फ्यूज हैं। विधानसभा चुनाव-2025 में लोजपा-आर ने 43 से 137 सीटों के बीच दावेदारी की है।बिहार विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा भले ही अभी नहीं की गई हो, पर चुनाव प्रचार के लिए हेलिकॉप्टर बुकिंग शुरू हो गई है। इस बार बिहार स्टेट हैंगर से कुल 20 चॉपर चुनावी प्रचार के लिए उड़ान भरेंगे। इनमें से अधिकांश हेलिकॉप्टर एनडीए और महागठबंधन के नेताओं के प्रचार के लिए होंगे। इनमें सिंगल और डबल इंजन के 4 से 6 सीटर हेलिकाप्टर शामिल हैं। एनडीए के घटक दल, भाजपा और जदयू ने चुनाव प्रचार के लिए कुल 15 हेलिकॉप्टर बुक किए हैं। इनमें से 12-13 हेलिकॉप्टर भाजपा और 2 हेलिकॉप्टर जदयू के लिए होंगे। इसके अलावा, एनडीए के अन्य सहयोगी दलों जैसे हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से), राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) और अन्य क्षेत्रीय दल भी प्रचार के लिए हेलीकॉप्टरों का उपयोग करेंगे।महागठबंधन की ओर से कांग्रेस, राजद और अन्य सहयोगी दलों ने 5 चॉपर बुक किए हैं। जनसुराज पार्टी के हेलिकॉप्टर उड़ने की उम्मीद कम है। पटना एयरपोर्ट के ग्लोबल फ्लाइट सर्विसेज के मैनेजर देवेंद्र कुमार के अनुसार, इस बार पिछले चुनावों के मुकाबले करीब तीन गुना अधिक हेलिकॉप्टर चुनाव प्रचार के लिए उड़ेंगे।जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वे अपने 9वीं फेल बेटे को राजा बनाना चाहते हैं, जबकि पढ़े-लिखे युवाओं को नौकरी नहीं मिलती है।

शिक्षक दिवस पर योगाभ्यास एवं शिक्षाविदों का सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। फिरोज गांधी महाविद्यालय के प्रो डॉ. संजय सिंह और फिरोज गांधी इंजीनियरिंग एंड तकनीकी संस्थान के यांत्रिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर प्रवेश नारायण सिंह को मिला सम्मान। योग और प्राणायाम से मिलता है जीवन में संतुलन : डॉ. संजय सिंह। राधाकृष्णन के आदर्शों से शिक्षा को मिलती है सही दिशा : प्रवेश नारायण सिंह रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन इकाई परिवार रायबरेली की ओर से मुंशीगंज स्थित ऐतिहासिक शहीद स्मारक प्रांगण में शुक्रवार प्रातः आयोजित दैनिक निःशुल्क योग शिविर के दौरान शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के प्रतिष्ठित शिक्षाविद फिरोज गांधी महाविद्यालय रायबरेली के हिंदी विभाग के प्रो डॉ. संजय सिंह एवं फिरोज गांधी इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान के यांत्रिकी विभाग के सहायक प्रो व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला प्रमुख प्रवेश नारायण सिंह को शाल, माला, बुके एवं प्रतीक चिन्ह स्वरूप भगवान श्रीराम की मनमोहक बाल छवि भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रो. डॉ. संजय सिंह ने अपने विचार व्यक्त हुए कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक दीपस्तंभ होता है। जिस प्रकार दीपक स्वयं जलकर अंधकार को दूर करता है, उसी प्रकार शिक्षक अपने शिष्य के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। योग और प्राणायाम से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मन भी अनुशासित होता है और जीवन संतुलित बनता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं बल्कि समाज को नैतिक दिशा देना है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन दर्शन प्रत्येक शिक्षक और विद्यार्थी के लिए अनुकरणीय है। हमें उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लेकर शिक्षा को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के संयोजक प्रदीप पांडेय के समाजहितकारी प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना भी की। इसी क्रम में यांत्रिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रवेश नारायण सिंह ने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्श ही शिक्षा को उसका वास्तविक स्वरूप और पहचान प्रदान कर सकते हैं। आज की युवा पीढ़ी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। योग प्रशिक्षिका श्रीमती सोनम गुप्ता और योग प्रशिक्षक राज अग्रहरि ने साधकों को सामूहिक योगाभ्यास कराया। इसके पश्चात योग साधकों ने सामूहिक रूप से पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन परिवार के जिला संरक्षक रामराज गिरी, जिला संयोजक प्रदीप पांडेय, मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता अजय पाल सिंह चौहान, राकेश यादव, अनुज यादव, दिनेश मिश्रा, संदीप यादव, अनूप शर्मा, कल्लू राम अग्रहरि, दिनेश पांडेय, झूरी, प्रकाश सहित बड़ी संख्या में योग साधक व सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

थाना शाहगंज पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था के दृष्टिगत 05 नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध की गई निरोधात्मक कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी घोरावल के निकट पर्यवेक्षण/निगरानी में आज दिनांक 05.09.2025 को थाना शाहगंज पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु 05 नामजद अभियुक्तों को को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर निरोधात्मक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार करने वाली टीमः- 01- उ0नि0 रामसिंहासन शर्मा, चौकी प्रभारी कस्बा शाहगंज थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र। 02- हे0का0 सुभाष चंद्र यादव, थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र। 03- का0 मनोज यादव, थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र।

लायंस क्लब ने शिक्षकों को किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 5 सितंबर 1888 को जन्मे मूल रूप से राधाकृष्णनय्या

जो बाद में सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के नाम से भारतीय इतिहास में विख्यात हुए, विवेकानंद के परम अनुयाई भारतीय दार्शनिक,राजनेता, शिक्षाविद और भारत रत्न से सम्मानित, भारत के द्वितीय राष्ट्रपति, सोवियत संघ में भारत के दूसरे राजदूत, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति, तथा आंध्र विश्वविद्यालय के दूसरे कुलपति का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में कंपोजिट विद्यालय ऊंचडीह,विकासखंड- राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र में बड़े धूमधाम से लायंस क्लब के तत्वावधान में मनाया गया जिसमें शिक्षक दिवस और शिक्षक की गरिमा का विस्तृत विवरण अनेक विद्वानों द्वारा अपने उद्बोधन में दिया गया. बेसिक शिक्षा परिषद के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत आदर्श शिक्षकों का सम्मान भी किया जिसमें कंपोजिट विद्यालय ऊंचडीह के प्रधानाध्यापक सिंधु दत्त पांडे , अखाड़ा महल के सहायक अध्यापक संदीप कुमार पांडे , प्राथमिक विद्यालय खटौली के सहायक अध्यापक अभिषेक मिश्रा , प्राथमिक विद्यालय बिछी की सहायक अध्यापिका साधना सारंग जी, प्राथमिक विद्यालय शिवपुरी पहाड़ी घोरावल ब्लॉक की सहायक अध्यापिका अंजू जी , कंपोजिट विद्यालय ऊंचडीह की सहायक अध्यापिका मुमताज बानो , प्राथमिक विद्यालय ऊंचडीह की शिक्षिका अर्चना ,श्याम श्याम सुंदर प्रभारी प्रधानाध्यापक एआरपी कंपोजिट विद्यालय चननी कोन ब्लॉक ,सहायक अध्यापिका पूनम का सम्मान क्लब द्वारा किया गया गया कार्यक्रम का संचालन राकेश कुमार त्रिपाठी (शिशु तिवारी) ने किया त अतिथियों को ग्राम प्रधान ऊंचडीह अंगवस्त्र एवं द्वारा तुलसी के पौधे प्रदान कर पर्यावरण की शुद्धता पर भी विशेष बल दिया गया।

भाजपा सरकार में शिक्षकों के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार :रामनिहोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र मनाई गई और उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए शत-शत नमन किया गया और संगोष्ठी का आयोजन किया गया एवं उपस्थित शिक्षकों को समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव द्वारा सम्मानित किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक ऐसे महान शिक्षक थे जिन्होंने खुद यह सुझाव दिया कि उनका जन्मदिन देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए और हर साल 5 दिसंबर को देश के लाखों स्कूलों कॉलेजों और विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है । हर वर्ष शिक्षक दिवस मनाया जाता है । गुरु की कृपा से शिक्षा का ज्ञान से आत्मबोध अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होता है । बिना गुरु के शिक्षा से कोई आगे नहीं बढ़ सकता है । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हमेशा शिक्षकों का सम्मान करने का काम किया है। लेकिन केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है जिससे शिक्षा स्तर गिरता जा रहा है और गरीब परिवार के बच्चे अशिक्षित होते जा रहे हैं। भाजपा सरकार को गरीब के बच्चों से कोई लेना-देना नहीं है वह केवल वोट की राजनीति कर रही है जिसे समाजवादी पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और गरीबों की लड़ाई हमेशा लड़ती रहेगी। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष इं अजीत कुमार मौर्य ने कहा कि जब से भाजपा सरकार बनी है शिक्षकों का अनदेखी कर रही है । इस भाजपा सरकार में शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है ।इसलिए हम सभी शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि हम लोग गांव-गांव जाकर गरीब तपके के लोगों को समझने का काम करें कि इस भाजपा सरकार में गरीबों का भला नहीं होने वाला है। संगोष्ठी में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी अनिल प्रधान अली मुख्तार कमलेश पटेल बृजेश पटेल मंगलम गोपालन आशीष कुमार विश्वकर्मा राजकुमार यादव वीरेंद्र बहादुर यादव जय हिंद सिंह चौहान राम ललित शर्मा दशरथ कोल लक्ष्मीकांत पासवान विजय नारायण राजेश्वर कुमार राकेश कुमार बद्रीनाथ यादव राजकुमार मौर्य आशुतोष गौतम अभिषेक केसरी बसंत सिंह महेश कुमार सत्यम मौर्य शिव प्रकाश सिंह उपस्थित थे।

आगामी चुनाव को लेकर सुभासपा ने कसी कमर,कार्यकर्ताओं को चुनाव में मिलेगा मौका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर में स्थित एक होटल परिसर में सुहेलदेव

भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को हुई । इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा पंचायती चुनाव में कार्यकर्ताओं को मौका मिलेगा। शहर से लेकर गांव तक चौपाल लगाकर संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करें। प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि पार्टी संगठन को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने पार्टी के मुखिया और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर का जिक्र करते हुए बताया कि वे दबे-कुचले और शोषित वर्ग की आवाज सदन में बुलंद करते हैं। बैठक में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और कार्यकर्ताओं को इन योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। जिलाध्यक्ष मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी पीड़ितों को हक और अधिकार दिलाने के लिए मजबूती से काम कर रही है। कार्यक्रम में जितेंद्र निषाद, विकास प्रजापति, सत्य प्रकाश पाण्डेय, जय प्रकाश बीयार, रामजी पाठक, लालमणि, कमला विश्वकर्मा, रामसूरत मौर्या, संजय मौर्या, राजेश विश्वकर्मा, अनुराग आदि मौजूद रहे।

ईओ ने फेंके जा रहे कूड़े के अंबार को शिकायत होता देख IGRS पोर्टल पर बताया परियोजना को जिम्मेदार,खुद मारे पलटी

ईओ के द्वारा परियोजना पर आरोप लगाने वाले पत्र के बाद परियोजना के कार्यवाही पर निगाहे टिकी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के

ओबरा तापीय परियोजना अंतर्गत नगर पंचायत ओबरा के सभी क्षेत्र का पूरा कूड़ा ट्रॉली द्वारा ओबरा तापीय परियोजना के भूमि सेक्टर 9 मार्ग के किनारे फेंका जा रहा है जिसमें प्लास्टिक की मात्रा भी रहता है। वहां आसपास आवासीय क्षेत्र व विद्यालय मौजूद है जिसके लोग इस बदबू से काफी परेशान है सड़क किनारे फेंके गए कूड़े से दुर्गंध निकलता रहता है, जिससे राह चलना मुश्किल है।कूड़े के ढेर में आग लगा दी जाती है, जो दिन-रात सुलगती रहती है।नगर पंचायत ओबरा स्वच्छ भारत अभियान की धज्जियां उड़ा रहा है। जहां पर गाय भी कूड़े के अंबार में गंदा प्लास्टिक खाते नजर आ रही है जो उनके लिए जहर के समान काम करता है।कूड़े से निकलने वाला धुआं और दुर्गंध स्थानीय निवासियों, विद्यालय से आने जाने वाले बच्चों,राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है।हवा के कारण कचरा उड़कर सड़क पर भी फैल जाता है। लोगों को नाक पर रुमाल रखकर इस रास्ते से गुजरना पड़ता है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि लगातार जलते कूड़े के बदबू से गंदगी से होने वाली गंभीर बीमारियां फैलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता हैं।इससे वायु प्रदूषण भी फैल रहा है।कचरे का ढेर सबसे बुरा हाल तो शहर की घनी आबादी वाले भीतरी मोहल्लों का है। जहां के लोग कूड़े-कचरे के ढेर की बदबू के बीच अपना जीवन बसर करने

को बाध्य हैं। नगर पंचायत को स्वच्छ भारत अभियान को शहर में धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी है वह अभी तक कचरा निपटान के समस्या का समाधान नहीं कर पाई है। शहरी क्षेत्र की स्थिति है कि यहां किसी भी मोहल्ले में पर्याप्त मात्रा में कूड़ेदान उपलब्ध नहीं है। इसका नतीजा है कि जहां-तहां कूड़े-कचरे फेंक जा रहे। इस पूरे मामले पर राकेश केशरी ने उ0प्र0रा0वि0 उ0नि0 की खाली भूमि पर खुले में कूड़ फेंकने की शिकायत उत्तर प्रदेश शासन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिख कर उचित कार्यवाही की मांग किया था जिसके बाद बौखलाई नगर पंचायत ने मुख्यमंत्री पोटल 1076 पर आख्या निस्तारण में आख्या लगाया गया अधिशासी अधिकारी ओबरा ने लिखित रूप से बताया कि सेक्टर नं0-9 में पूर्व से ही कूड़े का ढेर लगा हुआ है उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा अपने परिसरों की सफाई ठेकेदार के माध्यम से निविदा प्रक्रिया द्वारा करायी जाती है उनके ठेकेदार द्वारा सफाई के पश्चात कूड़े का निस्तारण किस प्रकार किया जाता है यह ज्ञात नहीं है जबकि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के पास कोई कूड़ा पृथक्करण केन्द्र नहीं है। नगर पंचायत ओबरा क्षेत्रान्तर्गत तथा घर-घर ठोस अपशिष्ट का संग्रहण कर ठोस अपशिष्ट पृथक्करण केन्द्र (एम0आर0एफ0 सेन्टर) पर भेजा जाता है जहाँ उसका पृथक्करण कर ठोस अपशिष्ट का निस्तारण किया जाता है। साथ ही प्रत्येक वार्ड में स्वच्छ भारत मिशन के तहत कूड़ संग्रहण हेतु डोर-टू डोर कूड़ा संगहण किया जाता है तथा डस्टबिन लगे हुये जिसमें कूड़ा डाला जाता है जिसका निस्तारण एम0आर0एफ0 सेन्टर के माध्यम से किया जाता है। जबकि नगर पंचायत द्वारा लगातार उक्त स्थान पर कूड़ा फेका जाता है जिसकी जिओ टैग के साथ फोटो भी प्रमाणित है।इस पूरे मामले में ईओ द्वारा पत्र जारी करने के बाद मामला तुल पकड़ लिया है अब सबकी निगाहे आरोप लगने वाले परियोजना प्रशासन पर हैं।

गुरु और शिष्य का रिश्ता अत्यंत पावन होता है:ओम प्रकाश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पंडित विद्याधर इंटर कॉलेज एवं परमहंस शिक्षण

संस्थान कबरी में डा0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में केक काटकर अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 'कृष्णन' के चित्र के साथ भारत माता एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर धूप- दीप जलाने के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में गीत एवं अभिव्यक्ति के माध्यम से 'कृष्णन' को याद करते हुए गुरु एवं शिष्य के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश चतुर्वेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'गुरु और शिष्य का रिश्ता अत्यंत पावन है। इस रिश्ते की पवित्रता को बचाने के लिए गुरु और शिष्य दोनों को बहुत सावधानी पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया जाना चाहिए। संरक्षक सुरेश तिवारी मैं कहा की शिक्षक शिशु के सर्वगुणों को बढ़ने वाला सही राह दिखाने वाला मार्गदर्शक हैं' शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सभी छात्राओं ने अपने-अपने कक्षा - कक्ष को बहुत ही सुंदर एवं आकर्षक सजाकर एवं अध्यापक/अध्यापिकाओं की आरती उतार कर उनका सम्मान किया ।तत्पश्चात छात्र/छात्राओं ने टीचिंग का क्रियात्मक कार्य करते हुए अपनी-अपनी प्रतिभा को बिखरे विद्यालय की तरफ से सबसे सुंदर डेकोरेशन का कार्य करने वाले प्राथमिक, जुनियर एवं सीनियर ग्रुप से तीन- तीन कक्षाओं एवं बेस्ट टीचिंग करने वाले तीन-तीन छात्र/छात्राओं को वरीयता सूची के आधार पर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक श्री सुरेश तिवारी श्री, श्रवण कुमार पाण्डेय , कृष्ण देव पाण्डेय, अनुराग त्रिपाठी, मनीष दूबे, सगीर खान, राजू प्रसाद , अमिताभ बच्चन, संदीप चौहान,पूजा पाण्डेय,शशि पटेल, चन्द्रभान देव पूजा सिंह, निधि सिंह, श्वेता सिंह, पायल सोनी ,आरती, पूजा भारती ,सरोज, प्रीति आदि अध्यापक अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

शिक्षक राष्ट्र एवं समाज का भविष्य निर्माता है-मुख्य विकास अधिकारी,शिक्षक समाज से मेरा गहरा संबंध है। हर व्यक्ति का कोई आदर्श शिक्षक रहा है जिसने उसके जीवन की सफलता के लिए प्रेरणा दी ह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शिक्षक दिवस के अवसर

पर कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र के सभागार में जनपद के विभिन्न बोर्ड के राजकीय, ऐडेड एवं वित्तविहीन विद्यालयों के उत्कृष्ट प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी उपस्थित थी। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, प्रशस्ति पत्र एवं जिला विद्यालय निरीक्षक ने अंग वस्त्र देकर के प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों को सम्मानित किया। मुख्य विकास अधिकारी महोदया ने सम्मानित शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य को बदले हुए परिवेश में शिक्षा के बदले हुए आयाम पर चर्चा किया और अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता भी शिक्षक रहे हैं और हर व्यक्ति को कोई ना कोई एक आदर्श शिक्षक अभिप्रेरित करता है जो उसकी सफलता को सार्थक दिशा देता है। तथा इसके साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल पांडे जिला समन्वयक अरविंद सिंह चैहान , कार्यालय प्रधान सहायक कमलेश यादव, वरिष्ठ सहायक संतोष कुमार सिंह एवं कार्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

चोरियों का नहीं हुआ खुलासा तो कर दिया सड़क जाम,सदर कोतवाली क्षेत्र के नई बाजार मरकरी गांव की घटना,रेलवे क्रॉसिंग के समीप सड़क जाम कर करवाई को उठाई मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र में

बीते 28,8 को नई बाजार मरकरी दो दुकानों में ताला तोड़कर हुई लाखों की चोरियों का खुलासा न होने पर शुक्रवार को परिजनों द्वारा रावटसगंज खलियारी मार्ग रेलवे फाटक के समीप सड़क जामकर किया विरोध प्रदर्शन। दोनों सगे भाई पीड़ित बबलू सेठ व दिलीप सेट ने बताया कि पिछली मां 28,8 की रात्रि अज्ञात चोरों द्वारा दोनों दुकानों से लाखों रुपए की चोरी की गई जिसकी सीसीटीवी फुटेज वह एप्लीकेशन के माध्यम से पुलिस को सूचना दिया गया हफ्ते दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के द्वारा कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिला जिस पर आक्रोशित पीड़ित परिवार द्वारा सदर कोतवाली क्षेत्र के रावटसगंज खलियारी मार्ग रेलवे फाटक के समीप सड़क जामकर विरोध जताया गया जिस पर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी गोपाल जी गुप्ता व अन्य पुलिसकर्मी काफी बातचीत के बाद कार्रवाई व खुलासा का आश्वासन के बाद जाम छुड़ाया गया। वही इस मामले में थाना प्रभारी गोपाल जी गुप्ता ने बताया कि पुलिस टीम व नई बाजार चौकी प्रभारी चोरी के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी कर मामलों का खुलासा किया जाएगा।

सेवानिवृत्ति शिक्षक की धूमधाम से मनाया गया सम्मान समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शिक्षक दिवस के अवसर पर रॉबर्ट्सगंज स्थित राजा शारदा

महेश इंटर कॉलेज की अर्थशास्त्र प्रवक्ता संगीता पाण्डेय के सेवानिवृत्ति उपरांत विदाई समारोह का आयोजन शुक्रवार को गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद राम सकल ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव होते हैं। संगीता पाण्डेय ने न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा दी बल्कि उनके चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके समर्पण और अनुशासन को हर शिक्षक के लिए प्रेरणा मानना चाहिए। विशिष्ट अतिथि सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने कहा शिक्षक दिवस पर शिक्षक के प्रति सम्मान और उनके योगदान को याद करना अत्यंत आवश्यक है। संगीता पाण्डेय ने अपने शिक्षण कार्य में उत्कृष्टता का मानदंड स्थापित किया। भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज के विकास की सबसे बड़ी कुंजी है। आज हम संगीता पाण्डेय के विदाई समारोह में उनके योगदान का सम्मान कर रहे हैं। उनके अनुभव और ज्ञान से विद्यार्थियों और सहकर्मियों ने हमेशा लाभ उठाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षक अशोक कुमार, आशुतोष सिंह, सूर्य देव राम, दिवाकर सिंह, प्रेम सिंह पटेल, वरिष्ठ सहायक सुजाता सिंह, तथा शिक्षिकाएँ अर्चना सिन्हा, कविता यादव, प्रियंका द्विवेदी, रंजिता सहित पूरा विद्यालय परिवार मौजूद रहा। मंच संचालन का कार्य सुरेश चंद्र कन्नौजिया एवं सुनील कुमार राव ने किया।

51 वर्ष गणपति का भव्य विसर्जन शोभा यात्रा, गाजे बाजे ढोल पर बप्पा के विर्सजन में भक्त नाचते गाते झूमते रहे,बप्पा के विर्सजन में हजारों श्रद्धालु शामिल रहे

गणेश शोभा यात्रा में शहर के हर चौराहे पर प्रसाद वितरण हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। छोटी बाजार के राजा 51 वर्ष था गणपति पूजा का आज विर्सजन पूर्ण भक्ति भाव हजारों श्रद्धालुओ ने भगवान गणेश की सामूहिक आरती कर बप्पा के जयकारे लगाए और प्रसाद व वितरण कर दोपहर 4 बजे मंत्रों उच्चारण के बाद गणपति मूर्ति उठाकर बप्पा के विर्सजन में जिले का मशहूर वारसी बैंड ङ जिले का मशहूर शुभम ढोल घंटे वाला कार्यक्रम आयोजक दिनेश चंद्र कक्कड़ ने बताया कि शोभा यात्रा छोटी बाजार से राधा कृष्ण मंदिर से डबल फाटक मछली बाजार रेलवे स्टेशन मंशा देवी मंदिर से घंटा घर से खोया मंडी कैपिटल टॉकीज से बस स्टेशन से शाजाजादा कोठी रोड से अमरीश पुरी कालोनी से राजघाट से पर गणपति बप्पा की आखरी आरती घाट पर फिर विर्सजन हुआ विसर्जन में अन्नू कक्कड़ आलोक कपूर मन्नू चौरसिया अभिषेक कक्कड़ स्वस्तिक चौरसिया घनश्याम साहू खन्नू भाई चुन्नू गुप्ता राशु श्रीवास्तव दिव्य कक्कड़ अतुल कक्कड़ अमन जी मास्टर जी अभिनव कक्कड़ आदि सभी छोटी बाजार के सेवादार विसर्जन में मौजूद रहे.

बीसीसीआई ने इंडियन टीम की जर्सी स्पॉन्सरशिप के रेट बढ़ाए,बाइलैटरल सीरीज के हर मैच के रु3.5 करोड़, पहले 3.17 करोड़ रुपए थे

नयी दिल्ली। बीसीसीआई ने इंडियन क्रिकेट टीम की जर्सी स्पॉन्सरशिप के रेट बढ़ा दिए हैं। नए रेट्स के अनुसार, बोर्ड

बाइलैटरल (द्विपक्षीय) सीरीज के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए लेगा। जबकि मल्टीलैटरल (आईसीसी, एशिया कप और ट्राई सीरीज) टूर्नामेंट के लिए प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपए लेगा। इससे पहले यह रेट क्रमशः 3.17 और 1.12 करोड़ रुपए थे। क्रिकबज ने अपनी रिपोर्ट में लिखा- नई दरें एशिया कप के बाद लागू होंगी। इससे बीसीसीआई को 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई हो सकती है, हालांकि अंतिम रकम बोली के नतीजों पर निर्भर करेगी। भारतीय बोर्ड ने यह फैसला ड्रीम-11 के जर्सी स्पॉन्सर से हटने के बाद लिया है। सरकार के ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 लागू होने के बाद बीसीसीआई ने ड्रीम11 का करार खत्म कर दिया था। बीसीसीआई ने 3 दिन पहले मंगलवार 2 सितंबर को जर्सी स्पॉन्सरशिप के लिए टेंडर जारी किए थे। इसके अनुसार, अल्कोहल, तंबाकू, सट्टेबाजी, रियल मनी गेमिंग (फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग को छोड़कर), क्रिप्टोकरेंसी और पोर्नोग्राफी या जो कंपनी सार्वजानिक नैतिकता को ठेस पहुंचने का काम करे उस तरह के ब्रांड को इस बोली (बिड) में शामिल नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर पर ट्वीट कर यह जानकारी दी है।भारतीय टीम एशिया कप में बिना स्पॉन्सरशिप के उतरेगी, क्योंकि ड्रीम-11 पहले भी करार खत्म कर चुका है और स्पॉन्सरशिप की बोली लगाने की अंतिम तारीख 16 सितंबर तय की गई है। वहीं, एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है। टेंडर खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है।

इंग्लैंड में साउथ अफ्रीका 27 साल बाद वनडे सीरीज जीताःतीसरे मैच में 5 रन से हराया, ब्रीट्जके की लगातार पांचवें मैच में फिफ्टी

नयी दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 5 रन से हरा दिया। टीम को तीन मैचों

की सीरीज में 2-0 की बढ़त मिल गई और सीरीज अपने नाम कर ली। इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड में 27 साल बाद वनडे सीरीज जीत ली है। इससे पहले, आखिरी बार 1998 में जीती थी। गुरुवार को लॉर्ड्स में खेले गए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 330 रन बनाए। 331 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 325 रन ही बना सकी और 5 रन से मैच हार गई। साउथ अफ्रीका की ओर से मैथ्यू ब्रीट्जके (85) और ने ट्रिस्टन स्टब्स (58) ने अर्धशतक लगाए। ब्रीट्जके इस पारी के साथ ही वनडे में अपने पहले पांच मैचों में लगातार 50प्लस रन बनाने वाले वर्ल्ड के पहले खिलाड़ी बन गए। इंग्लिस टीम ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 330 रन बनाए और इंग्लैंड को 331 रन का टारगेट दिया। टीम के लिए मैथ्यू ब्रीट्जके ने 85, ट्रिस्टन स्टब्स ने 58 और डेवाल्ड ब्रेविस ने महज 20 बॉल पर 4रन बनाए। रयान रिकेल्टन ने 35 और कॉर्बिन बॉश ने नाबाद 32 रन बनाए। ब्रीट्जके और स्टब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 126 बॉल पर 147 रन की साझेदारी हुई। इंग्लैंड की ओर से तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 4 विकेट झटके। आदिल रशीद ने 2 विकेट लिए। जैकब बेथल को 1 विकेट मिला।टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की ओर से भी तीन अर्धशतक लगे। हालांकि, टीम महज 5 रन से मुकाबला हार गई। जो रूट ने 61, जोस बटलर ने 61 और जैकब बेथल ने 58 रन की पारी खेली। विल जैक्स ने 39 और हैरी ब्रुक ने 33 रन का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की तरफ से नांद्रे बर्गर ने तीन और केशव महाराज ने 2 विकेट लिए। लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश और सेनुरन मुथुसामी को 1-1 विकेट मिला।

रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कीःसमोआ के लिए खेलेंगे टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर टूर्नामेंट, वहां का पासपोर्ट मिला

नयी दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि, अब वे न्यूजीलैंड के बजाय समोआ की

तरफ से खेलेंगे। 41 साल के मिडिल ऑर्डर बैटर टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफिक टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर टूर्नामेंट में समोआ की ओर से खेलेंगे। न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज की मां समोआ से हैं, जिसके कारण उन्हें वहां का पासपोर्ट मिला है। टेलर ने साल 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। वे अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए आखिरी बार खेले थे। ऐसे में उनका तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी पूरा हो गया है और अब वे समोआ के लिए एलिजिबल हैं।टेलर ने इसकी जानकारी अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर दी है। उन्होंने लिखा, 'अब यह आधिकारिक है। मुझे गर्व है कि मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। यह ना सिर्फ मेरे पसंदीदा खेल में मेरी वापसी है, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, गांव और परिवार का प्रतिनिधित्व करने का बड़ा सम्मान भी है। मैं इस अवसर के लिए उत्साहित हूं।'टेलर न्यूजीलैंड के लिए 110 टेस्ट मैच खेले हैं। उनके नाम 7584 रन दर्ज है। वनडे में उन्होंने 223 मैचों में 8581 रन बनाए हैं। टी-20 में टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए 102 मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने 1909 रन बनाए हैं। टेलर कीवी टीम के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। वे वनडे में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वनडे में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 181 है जबकि टेस्ट में उनका बेस्ट स्कोर 290 रन है। टेलर ने मार्च 2006 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। इसके एक साल बाद उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था।

मेसी बोले- मेरा अगला वर्ल्ड कप खेलना मुश्किलःमैच के बाद इमोशनल नजर आए, अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 3-0 से हराया

नयी दिल्ली। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी गुरुवार को वेनेजुएला के खिलाफ

खेले गए मैच के बाद इमोशनल नजर आए। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेलने को लेकर उन्होंने कहा, देखते हैं। जैसा कि मैंने पहले ही वर्ल्ड कप के बारे में कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं खेल पाऊंगा। इसकी मुख्य वजह मेरी उम्र है, जिसके कारण मैं इसमें शामिल नहीं हो पाऊंगा। लेकिन, मैं इसे खेलने के लिए उत्साहित और प्रेरित हूं। मेसी का अर्जेंटीना में आखिरी मुकाबला ब्यूनस आयर्स में खेले गए मैच में अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 3-0 से हराया। मेसी का घर (अर्जेंटीना) पर यह आखिरी मुकाबला था। मेसी ने मैच के बाद कहा, यहां बहुत सारी भावनाएं हैं, मैंने इस मैदान पर बहुत कुछ अनुभव किया है। अर्जेंटीना में अपने लोगों के साथ खेलना हमेशा खुशी देता है। हम कई सालों से एक-एक मैच का आनंद ले रहे हैं। मैं बहुत खुश हूं, यहां इस तरह से खत्म कर पाना वही है जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। मैच की शुरुआत से ही मेसी पूरे फॉर्म में नजर आए। उन्होंने 39वें मिनट में गोल करते हुए स्कोर को 1-0 कर दिया। इसके बाद 76वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज ने गोल दागा। वहीं मेसी दूसरे हाफ में भी उसी फॉर्म में नजर आए। उन्होंने 80वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। 38 साल के मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे। टूर की शुरुआत 12 दिसंबर को कोलकाता से होगी। इसके बाद वे अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली जाएंगे। दौरा 15 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के साथ खत्म होगा। 2011 के बाद वे पहली बार भारत आ रहे हैं। उस वक्त मेसी अर्जेंटीना टीम के साथ कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ एक दोस्ताना मैच खेलने आए थे।

90फ़ीसदी टूथपेस्ट में मिला खतरनाक लेड मेटल, लेड पॉइजनिंग से हर साल होती 15 लाख मौतें

नई दिल्ली। हम अपने दांतों को मजबूत और चमकदार बनाए रखने के लिए हर रोज टूथपेस्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन टूथपेस्ट में कुछ ऐसे खतरनाक

इंग्रीडिएंट्स हो सकते हैं, जो हमारी सेहत के लिए बिल्कुल भी सेफ नहीं हैं। हाल ही में अमेरिकी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन 'लेड सेफ मम्मा' ने 51 टूथपेस्ट और टूथ पाउडर ब्रांड के सैंपल की जांच रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सहित दुनियाभर में बिक रहे कई प्रमुख टूथपेस्ट ब्रांड में लेड, आर्सेनिक, मर्करी और कैडमियम जैसे हैवी मेटल्स पाए गए। इनमें से करीब 90प्रतिशत टूथपेस्ट में लेड की मात्रा थी, जबकि अधिकांश में एक से ज्यादा हैवी मेटल्स थे। हैरानी की बात तो ये है कि इनमें बच्चों के टूथपेस्ट और 'ग्रीन' यानी नेचुरल टूथपेस्ट भी शामिल थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि ये हैवी मेटल्स सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, साल 2021 में दुनिया में लेड पॉइजनिंग की वजह से 15 लाख लोगों की मौत हुई थी। वहीं यूनिसेफ की 'टॉक्सिक ट्रूथ' नामक एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया का हर तीसरा बच्चा लेड पॉइजनिंग से पीड़ित है।लेड हमारी सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है, इसके खतरे से कैसे बचा जा सकता है, सही टूथपेस्ट का चुनाव कैसे करें, लेड एक टॉक्सिक मेटल है, जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। इसका इस्तेमाल पेंट, बैटरी, कॉस्मेटिक, खिलौने और कंस्ट्रक्शन मटेरियल में किया जाता है। लेड के संपर्क में आने से सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों के ब्रेन को होता है। यह उनकी सीखने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता पर बुरा असर डालता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के मुताबिक, लेड के संपर्क से बच्चों का आईक्यू लेवल 4-5 पॉइंट्स तक घट सकता है। इसके अलावा लेड हमारी हड्डियों, दांतों, किडनी, लिवर और हार्ट को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। सबसे खराब बात ये है कि लेड धीरे-धीरे शरीर में जमा होता रहता है और पता इसका पता तब चलता है, जब शरीर किसी गंभीर बीमारी के चपेट में आ जाता है। यह एक ऐसा जहर है, जिसकी थोड़ी सी भी मात्रा नुकसानदायक है। लेड पॉइजनिंग तब होती है, जब शरीर में इसकी मात्रा ज्यादा जमा हो जाती है।

गुड हैबिट्स- भोजन में ढेर सारी सब्जियां खाने की आदतःसब्जी खाने से दिमाग होता तेज, बढ़ती उम्र, कब्ज, अपच, बीमारियां दूर रहती हैं

नयी दिल्ली। दुनिया में 5 ब्लू जोन हैं। यहां के लोगों की औसत उम्र 100 साल से ज्यादा है। ये लोग लंबे जीवन के लिए 9 नियम अपनाते हैं। उनमें सबसे खास है कि प्लांट बेस्ड खाना ही खाएंगे।

ऐसी सभी चीजें खाएंगे, जो पेड़-पौधों के रूप में प्रकृति ने हमें दी हैं। ये खाने में ज्यादा-से-ज्यादा सब्जियां शामिल करते हैं। इसमें कोशिश ये होती है कि जितने ज्यादा रंगों की सब्जियां खाने में शामिल कर सकें। सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। इनसे मिले न्यूट्रिएंट्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज जैसी क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। खास बात ये है कि इनमें कैलोरी और फाइबर कम होता है। आज 'गुड हैबिट्स' कॉलम में ज्यादा सब्जियां खाने की आदत के बारे में जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- खाने में सब्जियां ज्यादा क्यों होनी चाहिए? ज्यादा सब्जियां खाने के क्या फायदे हैं? सब्जियां क्यों हैं इतनी खास? सब्जियां हमारे शरीर के लिए एक सुपरफूड की तरह हैं। इनमें की ढेरों वैरायटी- हर फल और सब्जी का स्वाद और बनावट अलग होती है। आप चाहें तो तीखे स्वाद वाले प्याज, जैतून और मिर्च ट्राई करें या फिर हल्के स्वाद वाले मशरूम और कॉर्न। मीठा खाने का मन हो तो अंगूर, अनन्नास और आलूबुखारा खाएं और खट्टे स्वाद के लिए नींबू और चकोतरा बढ़िया हैं। फाइबर से भरपूर- अधिकतर फल और सब्जियां फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पेट भरने और पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। ज्यादा फाइबर वाली सब्जियां हैं- मटर, ब्रोकली और फूलगोभी। फाइबर वाले फल हैं- रसभरी, नाशपाती और सेब। कम कैलोरी, कम फैट- अमूमन फल और सब्जियां कम कैलोरी और फैट वाली होती हैं, इसलिए इन्हें ज्यादा मात्रा में खा सकते हैं बिना वजन बढ़ने की चिंता के। उदाहरण के तौर पर, आधा कप अंगूर खाने से आप एक चौथाई कप के मुकाबले 200 से ज्यादा कैलोरी बचा सकते हैं। हां, एवोकाडो, जैतून और नारियल जैसे कुछ अपवाद भी हैं जिनमें थोड़ा ज्यादा फैट होता है। बीमारियों से बचाव- फल और सब्जियों में कुछ खास प्राकृतिक तत्व फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो

विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो हमें अंदर से मजबूत बनाते हैं। लेकिन ऐसा क्या है जो इन्हें इतना जरूरी बनाता है? विटामिन और मिनरल्स का खजाना- फल और सब्जियां विटामिन ए,सी,ई और मिनरल्स जैसे मैग्नीशियम, जिंक, फॉस्फोरस और फोलिक एसिड से भरपूर होती हैं। पोटेशियम

के लिए एवोकाडो, शकरकंद, केला, आलूबुखारा और टोमैटो प्यूरी खाएं। स्वाद और टेक्सचर बहुत कम होती है, इसलिए ये बैलेंस्ड डाइट का हिस्सा बनती हैं। ये वजन कम करने या बढ़ने कई बीमारियों से बचाव करते हैं। इन्हें खाने से डायबिटीज टाइप 2, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर का खतरा कम हो सकता है। खासकर ब्रोकली, पत्ता गोभी, सरसों और जलकुंभी जैसी क्रूसीफेरस सब्जियां कैंसर से बचाव में मददगार मानी जाती हैं। अच्छी सेहत में मददगार- इनमें सैचुरेटेड फैट, नमक और चीनी से बचाने में मदद करती हैं। साथ ही सूजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर घटाने में भी असरदार हैं। बहुत कम सोडियम और कोलेस्ट्रॉल- ताजे फल और सब्जियों में सोडियम बहुत कम होता है। जैसे बहुत लोग मानते हैं कि सेलरी में सोडियम ज्यादा होता है, लेकिन एक डंठल में सिर्फ 30 मिलीग्राम होता है, जो सिर्फ 1फीसदी डेली वैल्यू है। सब्जियां कैसे खाएं? अब सवाल यह है कि सब्जियों को अपनी रोज की डाइट में कैसे शामिल करें। बहुत से लोग सोचते हैं कि सब्जियां खाना बोरिंग है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कुछ आसान तरीके हैं-सब्जियों को सलाद बनाएंः पालक, टमाटर, खीरा और गाजर को मिलाकर एक रंग-बिरंगा सलाद तैयार करें। थोड़ा नींबू और नमक डालें, मजा दोगुना हो जाएगा। सूप में डालकर खाएंः ठंड के दिनों में सब्जियों का सूप बनाएं। गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर इसे सेहतमंद और स्वादिष्ट बनाएं। भूनकर खाएंः आलू,

शिमला मिर्च और बैंगन को हल्का तेल लगाकर भून लें। यह नाश्ते के लिए भी बढ़िया है। स्मूदी ट्राई करेंः पालक या चुकंदर को फलों के साथ ब्लेंड करें। यह पीने में आसान और पोषण से भरपूर होता है। दाल में मिलाकर खाएंः अपनी रोज की दाल में थोड़ी सी सब्जियां डालें, जैसे लौकी या पालक। स्वाद और सेहत दोनों बेहतर होते हैं। सब्जियां खाने के फायदे - सब्जियां खाने से हमारे शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। इसके खराब रहता है। कमजोरीः विटामिन्स न मिलने से थकान जल्दी होती है। बीमारियों का खतराः दिल और डायबिटीज जैसी बीमारियां बढ़ सकती हैं। वजन बढ़ताः सब्जियों की जगह जंक फूड खाने से मोटापा हो सकता है। सब्जियों को खाने में कैसे शामिल करें? सब्जियां खाना कोई मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ा सा दिमाग लगाएं और ये आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाएंगी। मेरे साथ भी ऐसा ही

कुछ खास फायदे हो सकते हैं- पेट की सेहत बेहतर रहती है सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या नहीं होने देता। बीमारियों से बचाव होता है सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। वजन कंट्रोल में रहता है सब्जियां कैलोरी में कम और पोषण में ज्यादा होती हैं, जिससे हुआ। पहले मुझे पालक और भिंडी बिल्कुल पसंद नहीं थे। कुछ आसान तरीके आजमाएं और अब मेरी थाली में हर दिन कोई न कोई सब्जी जरूर होती है। सब्जियां खाना सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, पूरी जिंदगी के लिए फायदेमंद है। ये छोटी-सी आदत आपको लंबा और खुशहाल जीवन दे सकती है। आज से ही शुरू करें। अपनी थाली में रंग भरें और देखें कि आपका शरीर और मन दोनों कैसे खिल उठते हैं।

टिफिन पैकिंग के 10 टिप्स

नई दिल्ली। गर्मियों में टिफिन में रखे खाने को फ्रेश और सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। सुबह घर से तैयार किया गया खाना दोपहर तक खराब हो सकता है, खासकर जब

तापमान 40 डिग्री के आसपास पहुंच जाए। ये समस्या वर्किंग प्रोफेशनल्स से लेकर स्कूल-कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स तक सभी के लिए आम है। ऐसे में खाने-पीने की चीजों को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है, ताकि न तो स्वाद खराब हो और न ही सेहत पर असर पड़े।टिफिन में खाना देर तक कैसे फ्रेश रख सकते हैं? खाना पैक करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? गर्मियों में तापमान बढ़ने और हवा में नमी अधिक होने से बैक्टीरिया और फफूंदी (फंगस) को पनपने का अनुकूल माहौल मिल जाता है। तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर सूक्ष्म जीव तेजी से बढ़ने लगते हैं, जिससे खाना जल्दी सड़ने लगता है। खाने में अजीब गंध आना, स्वाद बदल जाना या उसका चिपचिपा हो जाना इसके मुख्य लक्षण हैं। गर्मी में वे फूड आइटम्स जल्दी खराब होते हैं, जिनमें नमी ज्यादा होती है। जैसे दाल, सब्जी, चावल या दही। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के मुताबिक, अगर पका हुआ खाना दो घंटे से ज्यादा समय तक गर्म और खुली जगह में रखा रहे, तो उसमें हानिकारक बैक्टीरिया विकसित होने लगते हैं। गर्मियों में जब तापमान 40डिग्री के करीब पहुंचता है, तब सुबह 8 बजे तैयार किया गया टिफिन दोपहर 1 बजे तक खराब होने की स्थिति में आ सकता है। खासतौर पर अगर गर्म खाना बंद डिब्बे में पैक किया गया हो, नमी ज्यादा हो या टिफिन सही से साफ न किया गया हो।आमतौर पर ऑफिस या स्कूल में टिफिन को फ्रिज में रखने की सुविधा नहीं होती और बैग में घंटों तक गर्मी में रखा टिफिन उस 'डेंजर जोन' में पहुंच जाता है, जिसमें फूड पॉइजनिंग वाले बैक्टीरिया सबसे तेजी से बढ़ते हैं।टिफिन में हल्का, सूखा और जल्दी न खराब होने वाला खाना रखना चाहिए। जैसे थेपला, सूखी सब्जी या इडली। गरम खाना सीधा बंद टिफिन में न डालें। उसे थोड़ा ठंडा करके रखें, ताकि भाप से नमी न बने। अगर आप दही, कटे फल या सलाद पैक कर रहे हैं तो उन्हें अलग एयरटाइट डिब्बे में रखें और कोशिश करें कि टिफिन बैग में एक छोटा आइस पैक भी हो। साथ ही इंसुलेटेड टिफिन गर्मियों में बहुत मददगार होते हैं। ये तापमान को देर तक कंट्रोल में रखते हैं और खाना जल्दी खराब नहीं होता है।गर्मियों में रात का बचा हुआ खाना अगले दिन टिफिन में पैक करना रिस्की हो सकता है। अगर ऐसा खाना टिफिन में रखना ही है तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।रात का खाना पकने के 2 घंटे के अंदर फ्रिज में रख देना चाहिए। अगर वह देर तक बाहर कमरे के तापमान पर रखा रहा, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं।सुबह उस खाने को अच्छी तरह गर्म करना जरूरी है, ताकि बैक्टीरिया मर जाएं। लेकिन बहुत गरम खाना सीधे टिफिन में न भरें। थोड़ा ठंडा करके ही पैक करें।ये चीजें जल्दी खराब होती हैं, इसलिए इन्हें टालें। इनकी बजाय सूखी सब्जी, इडली, थेपला या पराठा जैसे ऑप्शन ज्यादा सुरक्षित होते हैं।अगर सुबह उठते ही खाने से हल्की बदबू आ रही हो, चिपचिपा लगे या रंग थोड़ा बदला हुआ लगे, तो ऐसा खाना टिफिन में न दें। चाहे वह फ्रिज में ही रखा क्यों न हो। डॉ. अमृता मिश्रा बताती हैं कि कुछ घरेलू और नेचुरल प्रिजर्वेटिव खाने को ज्यादा देर तक फ्रेश और सुरक्षित रखने में मददगार हो सकते हैं। ये नेचुरल प्रिजर्वेटिव न केवल बैक्टीरिया की ग्रोथ को धीमा करते हैं, बल्कि खाने के स्वाद और खुशबू को भी बनाए रखते हैं।

मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ पिघलने की घटनाएं सामने आईं।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम 16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं। पर वित्त के मामले में ये 'इंफॉर्मेशन इन' और 'इंफॉर्मेशन आउट' का मामला ही है। इसीलिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण कर लेना एआई के लिए बहुत आसान होगा। हरारी का पूर्वानुमान है कि एक बार एआई वित्त क्षेत्र में हावी हुआ तो यह उन उपकरणों में निवेश शुरू कर देगा, गणितीय जटिलताओं के कारण मानव मस्तिष्क जिनसे निपटने में अक्षम है। अब ऊपर बताए पहाड़ों को देखें, जिन्हें दोहराना बंद करने के कारण हमारे बच्चे अंकों के साथ मजबूत रिश्ता नहीं बना पाए। मोबाइल ने नंबर्स याद रखने की हमारी मेमोरी छीन ली। कोई भी ये मानने से इनकार नहीं कर सकता कि एआई गणना कर सकने वाला एक एजेंट तो है, लेकिन ऐसा औजार नहीं जिसका नियंत्रण हमारे हाथों में हो।

बड़ी लड़ाई में हारकर छोटी सफलताएं बटोर रहा है पाक

आश्चर्य की ही बात कहलाएगी कि पाकिस्तान अपने घरेलू सियासी संघर्षों और घिसटती अर्थव्यवस्था के बावजूद अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों की नजर में एक प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ी बना हुआ है। यही कारण था कि वह 193 में से 182 सीटों के बड़े समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट जीतने में सफल रहा। जनवरी से दो साल के लिए इसका कार्यकाल शुरू होगा। पहलगाम हमले के कुछ ही सप्ताह बाद संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को यूएन 1373 आतंकरोधी समिति का उपाध्यक्ष और 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। यह बताता है कि स्वयं संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों में से सबसे ज्यादा को पनाह देने वाले पाकिस्तान को विश्व को कैसे देखता है। यह भारतीय कूटनीति की विफलता को भी बताता है। लेकिन अंदरूनी तौर पर पाकिस्तान में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। मई 2023 में इमरान खान की गिरफ्तारी के वक्त पाकिस्तान में भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची थी। बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिनमें कई सेवारत फौजियों के परिजन भी शामिल थे। कई सैन्य ठिकानों, रावलपिंडी स्थित जीएचक्यू और कोर कमांडर के घर तक पर हमले हुए। 2024 में पाकिस्तान नेशनल असेंबली के चुनाव में भी ऐसी ही अशांति देखी गई थी। भले ही इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ का चुनाव चिह्न छिन गया, लेकिन इसके बावजूद उसके द्वारा समर्थित 100 निर्दलीय चुनाव जीते। यह असेंबली की कुल सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा हिस्सा था। ये तब है जब चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के पक्ष में हेराफेरी हुई थी। पीएमएल (एन) और बिलावल भुट्टो की गठबंधन सरकार अब विश्वसनी?यता खो रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि हाल के भारत-पाक संघर्ष को भुना कर खुद को फील्ड मार्शल बनाने वाले आसिम मुनीर जल्द ही इस सरकार को हाशिए पर धकेल दें। भारत के साथ टकराव के बाद पाकिस्तान अपनी जीत-हार को लेकर भले कुछ भी कहता हो, लेकिन तथ्य यह है कि भारत ने ना सिर्फ पाकिस्तानी मिसाइलों, ड्रोन हमलों से अपनी सफलतापूर्वक सुरक्षा की, बल्कि पाकिस्तान की एयर डिफेंस प्रणाली को भी ध्वस्त कर दिया। लड़ाई खत्म होते-होते भारत इस स्थिति में आ गया था कि वह पाकिस्तान में जहां चाहे, हमला कर सकता था। भारत ने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय के समीप नूरखान और कई अन्य हवाई ठिकानों पर हमला कर इसे साबित भी कर दिया। लेकिन इस सबके बावजूद पाकिस्तान इस लड़ाई को लेकर दुनिया के सामने अपना नैरेटिव पेश करने में बेहतर रहा। भारत के लचर सूचना प्रबंधन के चलते पाकिस्तान को जीत का दावा करने का मौका ?मिल गया। भारतीय कूटनीतिक दबाव को हटाकर वो यह बताने में सफल रहा कि पहलगाम हमले में उसका हाथ नहीं था। 60 से अधिक देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की पर एक ने भी पाकिस्तान को दोष नहीं दिया।

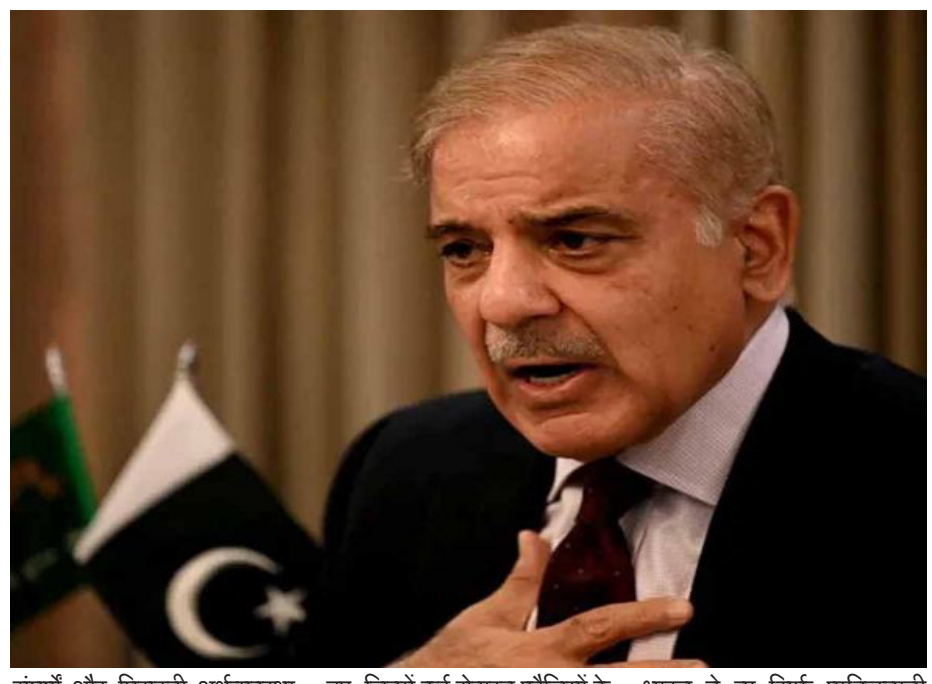

जो दिखेगा वही बिकेगा, तो दूसरे कलाकारों का क्या?जब मैं बड़ा हो रहा था, रेडियो सीलोन पर बिनाका

गीतमाला में अमीन सयानी गाना सुनाने से पहले गाना बनाने वालों का नाम बताते थे- गीतकार, संगीतकार और गायक। बरसों तक ये परंपरा रही। धीरे-धीरे साहिर, अनजान, आनंद बख्शी, नक्श लायलपुरी से बात बढ़ते-बढ़ते यहां तक पहुंची कि 'चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है' गुलाम अली की गजल बन गई, हसरत मोहानी का जिक्र ही नहीं हुआ।जबकि हसरत मोहानी उस गजल से कहीं बड़े आदमी थे। 1921 में 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा उन्होंने ही दिया था। अब गाना अरिजीत सिंह का होता है या सोनू निगम का, गीतकार-संगीतकार का नाम बार-बार लेने में रेडियो-टीवी समय बर्बाद नहीं करते।जबकि प्रोग्राम अब ज्यादा समय के हो गए हैं। अमीन सयानी तो हफ्ते में एक बार ही आते थे। ऐसा नहीं है कि गुलाम अली या सोनू निगम का योगदान कम है, लेकिन दर्शक नेपथ्य के कलाकारों को जगह देगा, तो उनकी सामर्थ्य बढ़ेगी। ये थंबनेल का समय है। यूट्यूब या जहां कहीं भी दर्शक एक तस्वीर देख के वीडियो पर क्लिक करता है, एक व्यू बढ़ जाता है। कितने व्यू बने- इससे आमदनी तय होती है। थंबनेल की तस्वीर से तय होता है कि दर्शक ने क्यों क्लिक किया। यहीं से समस्या की शुरुआत होती है। जो दिखेगा, वो बिकेगा- तो अमिताभ भट्टाचार्य का क्या? इरशाद कामिल का क्या? उन तमाम नेपथ्य के कलाकारों का क्या? कुछ कलाएं ऐसी होती हैं, जिनके लिए पूरी टीम काम करती हैं। उसका श्रेय सिर्फ एक का नहीं होता। और जब दर्शक सिर्फ एक को श्रेय देना शुरू कर दे, तो सामर्थ्य का असंतुलन शुरू होता है। जब पहली बार न्यूज एंकरों की होर्डिंग लगी थी देश में, वहीं से टीवी पत्रकारिता का पतन शुरू हो गया था। कथावाचक, कथा से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। अब मोहभंग का दौर है- वाचकों से, नायकों से। अब शिकायत कथा से है। पर कथा की अकेले की सामर्थ्य कम हो चली है। उसे तो हमने ही पीछे छोड़ा ना? जमीन का जो पत्रकार था, जो सच लेकर आता था, वो या तो खत्म हो गया या वो भी वाचक बन गया। आज स्थिति ये है कि समाचार में संगीत बज रहा है। सोचिएगा, बहुत त्रासदी का विषय है। शिकायत करते हैं कि दर्शक की देर तक जुड़ने की क्षमता कम हो गई है। अटेंशन स्पान घट गया है। ये झूठ है। फिल्मों में निर्देशक तकलीफ में है। उसकी कुर्सी उसके नीचे से खींच ली गई है। वह बमुश्किल कहानी को बचाकर आप तक लाने का प्रयास कर रहा है। अकसर हार रहा है, कभी-कभी जीत भी जाता है। उसे दर्शक का हाथ चाहिए। फिल्में बनती कैसे हैं? एक व्यक्ति को कहानी कहनी होती है। उसके साथ कलाकार जुड़ते हैं, धन जुड़ता है और फिल्म बनती है। पर सिनेमा ऐसी कला है, जिसमें कई विधाओं की जरूरत होती है- और ढेर सारे धन की भी। करोड़ों रुपए। इतने पैसों में बड़े-बड़े उद्योग शुरू हो जाते हैं, जो सालों तक रोजगार और मुनाफा देते हैं। फिल्म को उद्योग मानें, तो उसकी उम्र दो-तीन साल की ही होती है। लेकिन फिल्म एक कला भी है, और कला कलाकार को बेचैन कर देती है। वो रास्ते निकाल लेता है। दिल से लिखी गई कहानी को समीकरण समझ में नहीं आते। कला प्रेम से उपजती है। वो शृंगार का प्रेम हो सकता है, विद्रोह का हो सकता है, असहमति का हो सकता है। प्रेम को समीकरण नहीं सिखाए जा सकते। अब सामर्थ्य धन के पास है और धन आता है थंबनेल से। थंबनेल पर क्लिक कौन करता है? दर्शक। सबसे ताकतवर शख्स। कलाकार वो करना चाहता है, जो पहले नहीं किया गया। धन वही करना चाहता है, जो पहले सफल रहा है। यही भयंकर मतभेद है। तो अब थंबनेल पर जिसकी तस्वीर है, वही सबसे महत्वपूर्ण बन गया है। कहानी अकेली पड़ गई है। फिर भी निर्देशक को उम्मीद रहती है कि वो अपनी कहानी कह पाएगा। कभी-कभी वो कह भी लेता है। अच्छी फिल्में बन भी जाती हैं। लेकिन ज्यादातर मौकों पर निर्देशक हार जाता है। कभी आत्मसमर्पण कर देता है, कभी उसे पता भी नहीं चलता कि वो कब बह गया। पिछली दस फिल्में याद कीजिए, जो अच्छी लगी थीं। उनके निर्देशक-लेखक को खोजिए कि क्या बना रहे हैं अगली बार? हो सकता है आप थंबनेल की भूल-भुलैया में भटक गए हों। असल कहानियां आपको खोज रही हैं, आप उन्हें। दर्शक ताकतवर है। उसे थंबनेल के चक्रवात से बाहर निकलना होगा। लेखक और निर्देशक की सामर्थ्य बढ़ानी होगी। इसमें समय लगेगा... बस शुरू अभी करना होगा। जो कहानियां परदे तक पहुंच रही हैं, उनसे कहीं अच्छी कहानियां धक्के खा रही हैं। ताकत थंबनेल के पास है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा ताकत दर्शक के पास है कि वो किसे क्लिक करे। निर्देशक और कहानियों को आज दर्शक की ताकत चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं अनुभव सिन्हा)

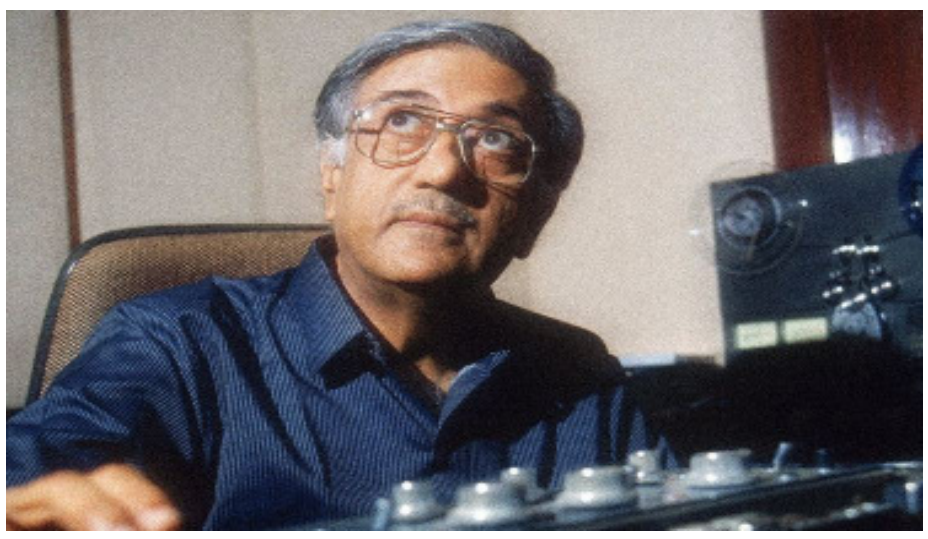

भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति श्रृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में मौजूद इन देशों का एक साझा औपनिवेशिक अतीत है और अकसर इनकी गिनती आर्थिक विषमता और वैश्विक स्तर पर कम प्रतिनिधित्व वाले देशों में होती है। मोदी ने इसी साझा इतिहास की ओर संकेत करते हुए वैश्विक संस्थानों में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने सिर्फ भू-राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सभ्यतागत सहानुभूति के आधार पर भी एकजुटता की बात कही। स्वयं अपने एक औपनिवेशिक इतिहास के कारण भारत यह बहुत अच्छी तरह से कर सकता है। 4. ब्रिक्स में भारत की भूमिका को अकसर सावधानी के चश्मे से देखा जाता है। चीन और रूस जहां वैश्विक व्यवस्था में पूरी तरह से उलटफेर चाहते हैं, वहीं भारत अंदरूनी सुधारों की वकालत करता है। इस समिट में मोदी सिर्फ इसलिए ही प्रभावी नहीं रहे, क्योंकि वहां पुतिन और शी जिनपिंग गैर-मौजूद थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कुशल स्टेट्समैन की भूमिका निभाई।

जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज करने वाले वैरेक्टर के हिसाब से पटकथा लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।' क्या आप भौहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे। आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है। फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है? कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी। यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी। पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है। लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी। लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

एक खूबसूरत कहानी शाहनवाज हुसैन और रेणु शर्मा शादी की

शाहनवाज की हिंदू प्रेमिका से साध्वी उमा ने कराई शादी,डीटीसी बस में प्यार हुआ,बीजेपी नेता बने बाराती

नयी दिल्ली। साल 1986 में शाहनवाज हुसैन ने दिल्ली के पूसा पॉलिटेक्निक कॉलेज में एडमिशन लिया था। एक दिन वो दिल्ली की सड़कों पर घूम रहे थे, तो उनकी नजरें काजल लगी बड़ी-बड़ी आंखों वाली एक लड़की पर पड़ीं। लड़की

अपने घर के बाहर खड़ी थी। शाहनवाज काफी देर तक उसे निहारते रह गए।शाहनवाज उन दिनों रोज दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन यानी डीटीसी की 740 नंबर बस से कॉलेज जाते थे। एक इंटरव्यू में शाहनवाज बताते हैं, 'एक दिन आंखों में मोटा चश्मा और कंधों पर भारी स्कूल बैग टांगे वही लड़की बस में चढ़ी। बस में बैठने की जगह नहीं थी तो मैंने उन्हें अपनी सीट दे दी। अगले दिन भी कोई सीट खाली नहीं थी। मैंने फिर उन्हें सीट दे दी। यह सिलसिला कुछ दिन चलता रहा।' शाहनवाज का हर बार एक ही लड़की को सीट देना उनके दोस्तों को समझ आ रहा था। एक दिन लड़की के आने से पहले ही शाहनवाज के बाजू में बैठे दोस्त ने कहा, 'आज तुम बैठे रहना। मैं उसे अपनी सीट दे दूंगा।' इस बार लड़की आई, तो दोस्त ने सीट दे दी। लड़की पहली बार शाहनवाज के बगल में बैठी। यह पहला मौका था जब दोनों में बातचीत हुई। इसमें पता चला लड़की का नाम रेणु शर्मा है। शाहनवाज कहते हैं, 'मुझे रेणु जी से पहली नजर में ही प्यार हो गया था।' बस में मुलाकातों और बातचीत का सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा। बाद में शाहनवाज ने रेणु के घर के पास किराए पर एक कमरा ले लिया। 1990 का दशक। एक रोज बीजेपी सांसद उमा भारती ने युवा मोर्चा के सैयद शाहनवाज हुसैन की चुटकी लेते हुए कहा कि शाहनवाज, दिल्ली में लड़कियों से संभलकर रहना। शाहनवाज ने शर्माते हुए जवाब दिया, 'दीदी, मैं

तो नहीं बच पाया। मेरे जीवन में कोई है।' इसके बाद शाहनवाज ने अपनी प्रेमिका का नाम बताया। ये सुनते ही उमा बोल पड़ीं- 'तुम्हारी शादी धूमधाम से तो नहीं हो पाएगी।' रेणु जब कॉलेज में आ गईं, तो एक बार शाहनवाज ने उन्हें जन्मदिन पर ग्रीटिंग कार्ड दिया। रेणु ने बताया, 'कार्ड की पहली लाइन में उन्होंने शादी के बारे में पूछते हुए लिखा था- विल यू मैरी मी'? मैं एकदम चौंक गई। तब तो शाहनवाज को ठीक से जानती भी नहीं थीं। मैंने शादी का प्रपोजल ठुकरा दिया। शाहनवाज से कहा कि तुम चाहो तो दोस्ती कर सकते हैं।' रेणु बताती हैं- बाद में शाहनवाज ने बताया, 'आपको पहली बार देखकर ही मैंने सोच लिया था कि यह लड़की मेरी वाइफ होनी चाहिए। आप पहले दोस्ती चाहती थीं, इसलिए हमने दोस्ती कर ली।' रेणु अपने प्रेम के दिनों को याद करके बताती हैं, 'एक बार हम बस स्टॉप पर खड़े होकर बात कर रहे थे तो कोई आंटी बोली- देखो तोता-मैना, लेकिन हमें कभी इन बातों से फर्क नहीं पड़ा। हम तो अपने में मस्त रहते थे।'शाहनवाज पहली डेट पर रेणु को दिल्ली के लोधी गार्डन ले गए थे। वो बताते हैं, 'मुझे रेणु की आंखें बहुत पसंद हैं। उनकी आवाज भी बहुत अच्छी है। वह बहुत अच्छा गाती और कविताएं करती हैं।' लोधी गार्डन में रेणु ने एक फिल्मी गाना गाकर अपनी फीलिंग्स का इजहार किया। रेणु ने अनपढ़ फिल्म का मशहूर गाना गाया- 'आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल हमेंष्ठ।' एक बार शाहनवाज रेणु को लाल किला घुमाने ले गए। तब उन्होंने कहा, 'एक दिन मैं तुम्हें लाल किले की वीआईपी पर बिठाऊंगा।' शादी के बाद एक इंटरव्यू में रेणु ने बताया, 'जब ये अटल जी की सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर बने और हम लाल किले के ऊपर गए तो इन्होंने मुझसे कहा, आज मैंने वादा पूरा किया।' घर आस-पास होने के बाद दोनों का मिलना-जुलना और बढ़ गया। ऐसे ही एक दिन गली में बैडमिंटन खेलते हुए शाहनवाज के अंगूठे में चोट लग गई। शाहनवाज बताते हैं, चोट देखकर रेणु तुरंत अपने घर बैंडेज लेने गईं। बैंडेज नहीं मिला तो उन्होंने अपना दुपट्टा फाड़कर पट्टी बांध दी। यह बात मेरे दिल में घर कर गई। एक बार रेणु के जन्मदिन पर शाहनवाज ने उन्हें एक पेन और ग्रीटिंग कार्ड में मैसेज लिखकर दिया। रेणु ने भी इसका जवाब भेजा। इस तरह दोनों चिट्ठियां लिखकर बात करने लगे। शाहनवाज बताते हैं, 'कुछ दिनों बाद रेणु अंग्रेजी में पत्र लिखने लगीं। मेरी अंग्रेजी कमजोर थी। हमारे कुछ दोस्तों की अंग्रेजी अच्छी थी तो हम उनके साथ बैठकर रेणु के पत्र का जवाब अंग्रेजी में लिखकर भेजने लगे। रेणु और शाहनवाज के जन्मदिन हमेशा उनकी प्रेम कहानी में बहुत खास रहे। शाहनवाज बताते हैं, 'मेरे एक जन्मदिन पर रेणु ने पूछा कि आपको तोहफे में क्या चाहिए। मैंने तुरंत कहा- आप चाहिए।' एक बार शाहनवाज रेणु को रेस्टोरेंट ले जाना चाहते थे, लेकिन पूरे पैसे नहीं थे। शाहनवाज ने कुछ दिनों तक पैसे बचाए और रेणु को कॉलेज के करीब एक रेस्टोरेंट में बुलाया। उन्होंने मेन्यू देखा और हिसाब लगाया कि इतने पैसों में दो डोसे और जूस मंगवाए जा सकते हैं। लेकिन शाहनवाज का हिसाब बिगड़ गया जब रेणु के साथ एक सहेली भी आ गई। अपने ऑर्डर के बाद रेणु ने जब शाहनवाज से पूछा तो उन्होंने कह दिया, 'मेरा रोजा है।' रेणु की सहेली ने पूछ लिया, 'यह रमजान का महीना तो नहीं है।' इस पर शाहनवाज ने कह दिया कि रमजान में एक रोजा छूट गया था, इसलिए अब कर रहा हूं। शाहनवाज और रेणु का प्यार हर बीतते दिन के साथ बढ़ता ही जा रहा था, लेकिन दोनों के धर्म अलग थे। वह दौर भी राम मंदिर आंदोलन का था।

ऐसे में एक मुस्लिम लड़के और हिंदू ब्राह्मण लड़की की शादी होना आसान नहीं था। यही वजह थी कि शाहनवाज और रेणु को शादी के लिए करीब 9 साल इंतजार करना पड़ा। रेणु बताती हैं, 'जब हम बाहर घूमने जाते और मुझे कुछ खाने को मन करता, तो ये मेरे लिए कुछ दिला देते थे, लेकिन खुद नहीं खाते थे। कहते थे कि मैं तो अभी खाकर आया हूं। बाद में मुझे पता चलता कि इन्होंने तो सुबह से कुछ नहीं खाया था।' राजनीति के शुरुआती दौर से ही शाहनवाज के उमा भारती से अच्छे संबंध थे। शाहनवाज उन्हें बड़ी बहन मानते थे। वे बताते हैं, 'एक दिन उमा जी ने कहा- शाहनवाज थोड़ा ध्यान से रहना। दिल्ली की लड़कियों से संभलना।' जब शाहनवाज ने उमा भारती को रेणु के बारे में बताया, तो वो समझ गईं कि ये शादी आसान नहीं होगी। रेणु और शाहनवाज दोनों के घरवाले शादी के लिए नहीं माने, तो उमा भारती ने ही दोनों की शादी कराई। 12 दिसंबर, 1994 को स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद उमा भारती ने एक दिन युवा मोर्चा के साथियों को अपने ऑफिस में बुलाकर शाहनवाज और रेणु की शादी के बारे में बताया। सभी के लिए चाय-नाश्ते का इंतजाम कराया और एक छोटी सी पार्टी भी दी। शादी के बाद शाहनवाज के एक दोस्त सैयद इस्माइल ने सावित्री नगर में उन्हें अपना कमरे का फ्लैट किराए पर दे दिया, लेकिन इस घर में गृहस्थी बसाने का कोई सामान नहीं था। कोई दोस्त कभी मिलने आता तो उसे बिठाने के लिए कोई सोफा या कुर्सी भी नहीं थी। शाहनवाज बताते हैं, 'घर मिलने के बाद हमने सबसे पहले 842 रुपए में बर्तन खरीदे। हमारी शादी से घर वाले खुश नहीं थे, इसलिए कई सालों तक वे हमसे मिलने नहीं आए।' शादी के समय शाहनवाज, माइक्रो मिशन कंट्रोल नाम की कंपनी में सेल्स इंजीनियर की नौकरी करते थे। उन्हें दो घंटे के लिए काम पर जाना होता था। पैसे भी थोड़े ही मिलते थे। जल्द ही रेणु सरकारी स्कूल में टीचर हो गईं। उनकी कमाई से धीरे-धीरे शाहनवाज और रेणु ने गृहस्थी बसा ली। शाहनवाज बताते हैं, 'एक दिन ऐसी स्थिति आई कि मैं और रेणु सोच रहे थे कि पहले टीवी खरीदें या फ्रिज। हमने सोचा ठंडा पानी तो पड़ोसी से ले लेंगे। पहले टीवी ले लेते हैं।' 1996 में शाहनवाज और रेणु के घर बेटे अरबाज का जन्म हुआ। रेणु का परिवार इस समय भी मिलने नहीं आया। अरबाज के पहले जन्मदिन पर उमा भारती ने घर पर पार्टी रखी। इस पार्टी में बीजेपी के सीनियर नेता लालकृष्ण आडवाणी, मदन लाल खुराना, साहिब सिंह सहित कई नेता पहुंचे। इस वजह से उन पर निशाना भी साधा गया। 1999 में जब शाहनवाज हुसैन ने किशनगंज से लोकसभा का चुनाव लड़ा, तो उनके विपक्षी आरजेडी के मोहम्मद तस्लीमुद्दीन ने कह दिया, 'शाहनवाज आडवाणी-जोशी के दामाद हैं, इसलिए उन्हें टिकट मिला है।' शाहनवाज यह चुनाव जीते और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज के राज्य मंत्री बने। 2001 में उन्हें बतौर केंद्रीय मंत्री सिविल एविएशन की जिम्मेदारी सौंपी गई। अभी भी सोशल मीडिया पर कई बार यह अफवाह उड़ा दी जाती है कि शाहनवाज आडवाणी और जोशी के संबंधी हैं। हालांकि, शाहनवाज ने कई मौकों पर साफ किया है कि उनकी पत्नी रेणु को दोनों वरिष्ठ नेता अपनी बेटी की तरह मानते हैं, लेकिन रेणु के पिता एयरफोर्स ऑफिसर हीरानंद शर्मा थे। समय के साथ शाहनवाज और रेणु के रिश्ते को परिवार वालों की भी मंजूरी मिल गई। शाहनवाज बताते हैं कि मेरी मां को रेणु का स्वभाव बहुत पसंद आया। रेणु भी कहती हैं, 'मेरी सास कहती थीं कि यह दूसरे घर से आई है। इसे हमारे घर में अलग महसूस नहीं होना चाहिए।' शाहनवाज हुसैन आज बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। रेणु दिल्ली के सरकारी स्कूल में टीचर हैं। रेणु एक कवयित्री भी हैं, जिनके देश भर में कई कार्यक्रम होते हैं। शाहनवाज और रेणु के दो बेटे और एक बेटी हैं।2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के बाद शाहनवाज ने बिहार की राजनीति का रुख किया। 2021 में बिहार विधान परिषद के सदस्य चुने गए और नीतीश सरकार में करीब डेढ़ साल तक मंत्री भी रहे। विधानसभा चुनाव के लिए अभी तक पार्टी ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है।

नग्न लड़के महिलाओं को खेत में खींच रहे,मेरठ में 25किमी दायरे में दहशत,कब तक घरों में कैद रहेंगे-महिलाएं बोलीं

पूरे गांव में सिर्फ एक ही चर्चा सुनाई दी। वो भी उन लड़कों की, जो बिना कपड़ों के खेतों के अंदर बैठे रहते हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

मेरठ।खेतों के करीब से गुजरने वाली महिलाओं को खींच ले जाते हैं। गांव के लोगों

से बातचीत करने के बाद पता लगा कि इसके पीछे 2 कारण भी हो सकते हैं। पहला- पंचायत चुनाव होने वाले हैं, कोई गांव में दहशत फैलाकर पॉलिटिकल माइलेज तो नहीं लेना चाहता। दूसरा- आसपास के गांव के लड़के किसी विवाद के चलते अकेले जाती महिलाओं को टारगेट करके खौफ का माहौल बनाना चाहते हों। 6 दिन में हुईं 2 घटनाएं- पहली घटना 25 अगस्त इकलौता गांव - साइकिल पर जा रही छात्रा को खींच लिया, दोपहर को स्कूल से 3 छात्राएं लौट रही थीं। 2 छात्राएं साइकिल पर थीं और एक पैदल चल रही थी। एक छात्रा साइकिल चला रही थी, दूसरी पीछे बैठी थी। छात्रा ने बताया अचानक खेत से एक लड़का निकला। उसने कपड़े नहीं पहने थे। साइकिल पर पीछे बैठी छात्रा को खींच लिया। छात्रा चीखी, उसकी चीख सुनकर दूसरी छात्राएं भी चिल्लाने लगीं, लेकिन तब तक शोहदा भाग गया। इसके बाद घबराई छात्राएं घर पहुंची। छात्रा ने घर वालों को सारा किस्सा बताया। छात्राएं इतनी घबरा गईं थीं कि किसी ने लड़के का चेहरा नहीं देखा। बस उसको पीछे से ही देख पाईं।दूसरी घटना 28 अगस्त, भराला गांव - जॉब पर जा रही महिला को पकड़ा-एक महिला सुबह घर से काम के लिए निकली थी। वह आबूलेन स्थित एक शोरूम पर ड्यूटी करने जा रही थी। महिला का आरोप है कि रास्ते में गन्ने के खेत से अचानक एक युवक बिना कपड़ों के सामने आ गया और उसे खेत में खींचने लगा।महिला चीखने लगी कि बचाओष्ठ बचाओ। खेतों में काम कर रहे मजदूर दौड़कर उस तरफ आ गए। महिला के मुताबिक, वो केवल उस आरोपी का शरीर देख पाईं। उसने कपड़े नहीं पहने थे, वो चेहरा नहीं देख सकीं। खेत में महिला बोलीं- मजबूरी में घास काटने आए हैं-हमें सिवाया-भराला के रास्ते में खेतों में काम करते हुई कुछ और महिलाएं दिखीं। वहां मिली एक महिला ने बताया- मैंने एक बिना कपड़े वाले आदमी को देखा है, जो खेतों में घूम रहा था। वो कहीं गन्ने के खेत में ही अंदर जा रहा था। दूसरे दिन एक आदमी कपड़े पहने हुआ था, जो खेतों में जाते दिखा। दो दिन बाद दो से तीन आदमी खेतों में जाते दिखे।

महिला ने कहा- मैंने कहीं शिकायत तो नहीं की, क्योंकि पुलिस पहले से मौजूद है। मैं पूरे दो दिन इसी खौफ के कारण घास काटने भी नहीं आई, आज मजबूरी में आना पड़ा है। भराला गांव के पास खेतों में काम कर रही एक महिला कहती हैं- अब लोग घर से खेत में काम करने के लिए अकेले नहीं जाते हैं। मैं भी घास काटने बहुत मजबूरी में आई हूं। मैंने उस लड़के को कभी देखा तो नहीं है, लेकिन पूरे गांव में दहशत है। गांव में पुलिसवाले भी उसे तलाश रहे हैं, देखो कब तक पकड़ा जाता है। गांव के अंदर आने पर हमें एक जगह, कुछ लड़कियां बातचीत करती हुई दिखीं। बीए फाइनल ईयर की स्टूडेंट गुंजन कहती हैं- मैंने अभी तक ऐसे किसी लड़के को नहीं देखा है। मगर गांव में डर बहुत ज्यादा है। महिलाओं में खौफ है कि कहीं कोई खेत में न खींच ले जाए। हमने पूछा- क्या लगता है, महिलाएं झूठ तो नहीं बोल रही? गुंजन कहती हैं- अलग-अलग जगह की महिलाएं क्यों झूठी कहानी बनाएंगी। कुछ न कुछ तो उनके साथ हुआ ही होगा। गांव में हमारी मुलाकात मिथलेश से हुई। वह कहती हैं- हमें तो वो आदमी अब तक नहीं मिला। हमने अभी तक उसका चेहरा नहीं देखा। बस उसकी पीठ और टांगें देखी थीं। हमने पुलिस में शिकायत तो नहीं की है, लेकिन हां...परिवार को जरूरत बताया था कि खेतों में घूमते हुए उस आदमी को देखा था। पुलिस यहां लगातार गश्त कर रही है, इसलिए आज हम खेतों पर काम करने आए हैं। सुरक्षा के लिए महिला पुलिस भी घूम रही हैं। जैसे ही पुलिस हटती है, वैसे ही ये बिना कपड़ों वाले लड़के महिलाओं पर हमला कर देते हैं। वो हमेशा अकेली महिला पर हमला करते हैं, दो-चार महिलाओं को साथ देखेंगे, तो हमला नहीं करेंगे। वो लोग एक जगह पर टिकते भी नहीं हैं। पहले इकलौता गांव में थे, फिर भराला में हुआ। अब आगे पता नहीं किस गांव में ऐसा होगा।भराला गांव में रहने वाले रामविलास कहते हैं- गांव की महिलाएं और स्कूली छात्राएं अब खेतों से होकर नहीं जाते हैं। डर तो इतना फैला है कि हमारे गांव में मेहमान भी नहीं आ रहे हैं। हम खुद भी रात में ग्रुप बनाकर ही आते-जाते हैं। मगर उसने अभी तक पुरुषों पर हमला नहीं किया है।गांव के प्रधान राजेंद्र कहते हैं- अब ये पुलिस का काम है कि इन लड़कों को पकड़े, ताकि यहां माहौल थोड़ा सामान्य हो सके। पुलिस वाले तो गांव में लगातार बने हुए हैं। मगर डर बहुत ज्यादा बना हुआ है। ये तब तक रहेगा, जब तक ये लड़के पकड़े नहीं जाते। गांव की महिलाएं खेतों की राह छोड़ चुकी हैं। छात्राओं ने स्कूल आने-जाने के रास्ते बदल लिए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि सिर्फ लाठी-डंडों से हम अपनी सुरक्षा कर रहे हैं।भराला गांव में घटना होने के बाद पुलिस ने एफआईआर लिखी। 5 दिन से पुलिस दोनों गांव में तैनात है। ड्रोन उड़ाकर पुलिस उस बिना कपड़े वाले मनचले की तलाश में जुटी है। सादे कपड़ों में एलआईयू के जवान भी इलाके में टोह ले रहे हैं।गन्ने के खेतों में घुसकर झाड़ियों के बीच महिला पुलिसकर्मी शोहदे की तलाश कर रही हैं। लेकिन आरोपी मिल नहीं रहा। हालांकि, किसी महिला ने न्यूड युवक को देखा नहीं है। मगर फिर भी पुलिस कद काठी के हिसाब से स्केच तैयार करवा रही है। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा कहते हैं- थाना दौराला में एक महिला शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस लोगों के साथ ग्रुप बनाकर इन इलाकों में कांबिंग कर रही है। चार स्पेशल टीमें बनाई गईं हैं। गांव और रास्तों पर 9 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। ड्रोन उड़ाकर भी इलाके को चेक किया जा रहा है, लेकिन कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला है। सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मी भी तैनात की गई हैं। खेतों के आसपास सीसीटीवी लगाए गए हैं, ताकि मनचला आते-जाते कैमरों में कैद हो जाए।

भारत 5वीं जनरेशन के विमान के इंजन अमेरिका से लेगा,14000 करोड़ की डील, अमेरिकी कंपनी 80फीसदी तकनीक देने भी तैयार

नयी दिल्ली। टैरिफ वॉर की तल्खी के बीच भारत की विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के बीच जेट इंजन को लेकर कई रक्षा सौदे फाइनल स्टेज में हैं। एचएएल सूत्रों के मुताबिक सबसे बड़ा सौदा जेट जीई-414 इंजन का होने

जा रहा है। यह इंजन भारत के 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान एम्का (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) में लगेगा। जीई ने इस इंजन की 80फीसदी तकनीकी ट्रांसफर की एचएएल की शर्त मान ली है। सौदे में यह तय होना है कि जीई इस इंजन के बाकी पार्टनर्स के साथ तकनीक ट्रांसफर की सहमति खुद लेगी या एचएएल को बातचीत में सहयोग देगी। इस करार के बाद जीई-414 इंजन का प्रोडक्शन भारत में हो सकेगा। एचएएल 10 जीई-414 इंजन खरीद चुकी है, ताकि एम्का का विकास न रुके।कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति ने 19 अगस्त को वायुसेना के लिए 97 तेजस एलसीए एमके1 विमानों की खरीद को मंजूरी दी। इस पर 66500 करोड़ खर्च होंगे। इसके लिए एचएएल 113 इंजन जीई से खरीद रही है। इसके पहले 83 एलसीए एमके1 का ऑर्डर एचएएल के पास है। इस सौदे के 2 विमान अक्टूबर में वायुसेना को सौंपे जाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नासिक में इन विमानों का वायुसेना को देंगे। सूत्रों ने बताया कि यह फाइटर हवा से सतह से मार करने वाली शॉर्ट रेंज से लेकर बियोंड विजुअल रेंज की मिसाइलों से लैस हैं और इनकी परीक्षण उड़ानें हो चुकी हैं। एचएएल की दो प्रोडक्शन लाइनें बेंगलुरु में हैं, जबकि एक अत्याधुनिक लाइन नासिक में बनाई गई है। एक और एसेंबली लाइन बनाने की तैयारी की जा रही है। इसके बाद एचएएल साल में 24 एलसीए विमान तैयार करने की स्थिति में आ गई है। रक्षा सचिव आरके सिंह ने 30 अगस्त को कहा था कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सितंबर में भारतीय वायुसेना को दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान सौंप सकता है। इन विमानों में वेपंस इंटीग्रेशन यानी हथियारों को जोड़ा भी किया गया है। सरकार एचएएल के साथ 97 और तेजस खरीदने का नया करार करने जा रही है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 67,000 करोड़ रुपए होगी। फिलहाल 38 तेजस वायुसेना में शामिल हैं।सूत्रों ने बताया कि तेजस एमके1 के लिए 8500 करोड़ रु. में जीई 113 जेट इंजन देगी। इसके लिए जीई ने भरोसा दिलाया है कि टैरिफ वॉर की आंच इस सौदे पर नहीं आने दी जाएगी। इससे पहले 2021 में 99 एफ 404 peerF&-AIAN 20 इंजनों का सौदा 5500 करोड़ में हुआ था। इस तरह अमेरिका से अब तक 14 हजार करोड़ के 212 इंजन की डील हो चुकी है।

देश के 47फीसदी मंत्रियों पर क्रिमिनल केस,653 मंत्रियों में से 174 पर मर्डर-रेप जैसे गंभीर आरोप; इनमें भाजपा के 136, कांग्रेस के 45 मिनिस्टर

नयी दिल्ली। देशभर के 302 मंत्री (करीब 47फीसदी) खुद पर

आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। वहीं, केंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40फीसदी) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। यह जानकारी चुनाव सुधार संस्था 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) की रिपोर्ट में सामने आई है।एडीआर ने 27 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के कुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों (एफिडेविट) का विश्लेषण किया। एडीआर ने यह भी कहा कि जिन शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है, वे 2020 से 2025 के बीच चुनावों के दौरान दाखिल हुए थे। इन मामलों की स्थिति बदल भी सकती है। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक प्रस्ताव रखा था, जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाने की बात कही गई थी। 11 राज्यों में 60फीसदी मंत्री क्रिमिनल- आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री आपराधिक मामलों में आरोपी हैं। दूसरी ओर हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड के किसी भी मंत्री पर कोई आपराधिक केस दर्ज नहीं है। 643 मंत्रियों की संपत्ति का विश्लेषण- इन 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति रु23,929 करोड़ है। औसतन हर मंत्री के पास रु37.21 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 30 में से 11 विधानसभाओं में अरबपति मंत्री हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 8 अरबपति मंत्री हैं, आंध्र प्रदेश में 6 और महाराष्ट्र में 4 हैं। केंद्र सरकार में 72 मंत्रियों में से 6 मंत्री (8फीसदी) अरबपति हैं। पार्टीवार अरबपति मंत्री- भाजपा के 14 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 4फीसदी)। कांग्रेस के 11 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 18फीसदी)। टीडीपी के 6 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 26फीसदी)। आम आदमी पार्टी, जनसेना पार्टी, जेडीएस, एनसीपी और शिवसेना के भी अरबपति मंत्री हैं। एडीआर ने कुछ समय पहले महिला सांसद और विधायकों को लेकर रिपोर्ट जारी की थी है। इसमें सामने आया था कि देश की कुल 512 महिला सांसदों और विधायकों में से 28फीसदी यानी 143 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 78 (15फीसदी) पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर आरोप हैं। वहीं, 17 महिला नेताओं ने अपने चुनावी हलफनामों में अरबपति (100 करोड़ या उससे अधिक संपत्ति) होने का दावा किया है।

अनंत चतुर्दशी से पहले 400किग्रा आरडीएक्स से ब्लास्ट की धमकी:मैसेज में कहा- 34 गाड़ियों में फिट किया, एक करोड़ लोगों को मार सकते हैं

मुंबई। मुंबई पुलिस को गुरुवार देर रात वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज मिला। इसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंकी 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं, जिससे एक करोड़ लोगों की मौत हो सकती है। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने हाईअलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है।दरअसल, शनिवार को गणेशोत्सव का अंतिम दिन (अनंत चतुर्दशी) है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु गणेश विसर्जन

के लिए निकलेंगे। इसलिए सुरक्षा को और सख्त कर दिया गया है। पुलिस ने शहर के अहम इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और कई जगहों पर कॉम्बिंग ऑपरेशन चल रहे हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। 25 अगस्त को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में 43 साल के शख्स को गिरफ्तार किया गया था। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया था कि जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली थी। राजकीय रेलवे पुलिस ने बताया कि आरोपी रूपेश मधुकर रणपिसे ने रविवार शाम करीब चार बजे पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर बताया कि उसने कलवा रेलवे स्टेशन पर बम रखा है।मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सबूत, गवाहों के बयान और आरोपियों से जो बरामद किया गया, वे उन्हें दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। बम बनाने के लिए जो विस्फोटक इस्तेमाल हुए, उनकी रखरखाव ठीक नहीं था। सबूतों की सीलिंग भी खराब थी।

हरियाणवी एक्ट्रेस दिल्ली पुलिस के पास पहुंची,20 इंस्टा आईडी सौंपी,बोलीं- भोजपुरी स्टार पवन ने माफी मांग मेरे पीछे ट्रोलर लगा दिए

सोनीपत। ट्रोलर्स से परेशान हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव

ने अब दिल्ली में साइबर क्राइम सेल में 20 से ज्यादा इंस्टाग्राम आईडी की लिस्ट दी है। इन आईडी से लगातार गंदे मैसेज, मीम्स, एडिटेड इंटरव्यू और फेक वीडियो जारी हो रहे हैं। जिनमें अंजलि को बदनाम किया जा रहा है। इस मामले में कई भोजपुरी मॉडल व कलाकार भी कूद गए हैं। अंजलि ने कहा कि कई भोजपुरी मॉडल उनके खिलाफ प्रचार कर रही हैं। कह रही हैं कि शॉर्ट्स पहने वाली अब सती-सावित्री बन रही है। इन्हें अंजलि का जवाब है कि छोटे कपड़े पहनने का मतलब ये नहीं कि छूने की परमिशन है। अंजलि ने कहा कि अभी तो वह साइबर सेल में लिखित शिकायत देंगी। महिला आयोग को शिकायत भेजेंगी और थाने में भी एफआईआर दर्ज कराएंगी। लखनऊ में 29 अगस्त को एक लाइव परफॉर्मेंस के दौरान भोजपुरी एक्टर-सिंगर पवन सिंह ने गलत तरीके से अंजलि राघव की कमर को छुआ था। उसका वीडियो वायरल होने के बाद से विवाद लगातार सुर्खियों में है। मामला बढ़ता देख पवन सिंह ने इंस्टाग्राम पर वीडियो डालकर माफी मांग ली। अंजलि का कहना है कि वो माफी मांगकर खुद तो पीछे हट गए, लेकिन ट्रोलर पीछे लगा दिए। लगातार हो रही ट्रोलिंग से अंजलि मानसिक रूप से परेशान हो चुकी हैं।एक आईडी से 15 से 20 वीडियो रोज डल रहेः अंजलि राघव ने साइबर पुलिस को 20 आईडी के लिंक दिए गए हैं। इन्हीं के माध्यम से उनके बारे में बार-बार गलत सामग्री डाली जा रही है। एक आईडी से 15 से 20 वीडियो डाली गई हैं। स्टोरी लगाकर मैसेज भी कर रहे हैं। लिखा जा रहा है- अब पावर का पता लग गया। बॉस कभी सॉरी नहीं बोलते। इस बार मामला सिर्फ गानों का नहीं, बल्कि इज्जत, छवि और चरित्र तक जा पहुंचा है। गंदे मैसेज, मीम्स व फेक वीडियो डाले जा रहेः अंजलि ने बताया कि उन्हें गंदे मैसेज, मीम्स और फेक वीडियो भेजे जा रहे हैं। कुछ वीडियो तो इतने घटिया हैं कि एडिट करके उनका (अंजलि) चेहरा किसी और की बॉडी पर चिपकाकर अश्लील हरकतें दिखाई गईं। एक आईडी से हर डेढ़ घंटे में नई गंदी वीडियो अपलोड की जा रही है। ये कोई एक ट्रोलर नहीं बल्कि पूरा गैंग है, जो मेरी इमेज के पीछे पड़ा है। लालू की पार्टी का संतोष यादव-गलत प्रचार कर रहाः एक्ट्रेस ने कहा कि संतोष रेनू यादव नाम का व्यक्ति, बड़ा कॉन्फिडेंट होकर उनके खिलाफ गलत बातें बोल रहा है। उसने इंटरव्यू में उनकी बहनों के नाम गलत लिए हैं। परिवार के बारे में बहुत गलत बोला है। अंजलि ने कहा कि वो संतोष यादव को जानती तक नहीं। अब उनके बारे में पता चला है कि वो लालू प्रसाद यादव की पार्टी से जुड़ा होने का दावा करता है। वो कभी भोजपुरी सिंगर था और एक-दो गाने गाए हैं। उसके खिलाफ मानहानि का केस फाइल करेंगी।

फैशन ब्रांड अरमानी के फाउंडर का निधन,जियोर्जियो अरमानी कंपनी के अकेले मालिक रहे, आज रु1 लाख करोड़ वैल्यू

मिलान। मशहूर फैशन ब्रांड अरमानी के फाउंडर और फैशन डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी का निधन हो गया है, वे 91 साल के थे। अरमानी का जन्म 11

जुलाई 1934 को इटली के पियासेंजा शहर में हुआ था। कंपनी ने आज 4 सितंबर को उनके निधन की जानकारी दी। अरमानी ग्रुप ने एक बयान में कहा-'इल सिन्योर अरमानी, जैसा कि उनके कर्मचारी और सहयोगी उन्हें सम्मान से बुलाते थे, अपने प्रियजनों के बीच शांति से इस दुनिया से चले गए। वो एक ऐसे शख्स थे, जिन्होंने अपनी दूरदृष्टि, जुनून और समर्पण से हमें प्रेरित किया।' जियोर्जियो 1975 में अपने बिजनेस पार्टनर सर्जियो गैलियोटी के साथ अरमानी की शुरुआत की थी। अरमानी अपनी कंपनी के सीईओ और इकलौते निवेशक भी थे। यानी कंपनी की हर फैसले और डायरेक्शन पर उनके अकेले का कंट्रोल था। अरमानी को इटैलियन स्टाइल को दुनिया भर में पहचान दिलाने के लिए जाना जाता है। फोर्ब्स के मुताबिक, 2025 में जियोर्जियो अरमानी की नेटवर्थ 12.1 बिलियन डॉलर (1 लाख करोड़ रुपए) है। उनकी ये दौलत उनकी खुद की बनाई कंपनी जियोर्जियो अरमानी स्पा से आई। जियोर्जियो अरमानी के जीवन से जुड़ी 10 बातें- डॉक्टर बनने का सपना छोड़ाः अरमानी ने शुरुआत में मेडिसिन की पढ़ाई शुरू की थी, लेकिन दो साल बाद उन्हें लगा कि ये उनका रास्ता नहीं है। फिर वो फोटोग्राफी में गए और आखिरकार फैशन की दुनिया में कदम रखा। अमेरिकन जिगोलो से पहचान मिलीः 1980 में रिचर्ड गेयर की फिल्म अमेरिकन जिगोलो में अरमानी के डिजाइन किए सूट्स ने काफी पब्लिसिटी हासिल की। उनके हल्के, अनस्ट्रक्चर्ड जैकेट्स ने पुरुषों की फैशन को नया लुक दिया। ये फिल्म उनके लिए गेम-चेंजर थी, जिसने उन्हें हॉलीवुड का चहेता बना दिया। खुद के बॉस रहेः अरमानी अपनी कंपनी के एकमात्र शेयरहोल्डर थे, जो आज के जमाने में बहुत बड़ी बात है। जब बड़े-बड़े फैशन हाउसेज जैसे LVMH या केरिंग दूसरों को खरीद लेते हैं, अरमानी ने अपनी कंपनी को हमेशा अपने कंट्रोल में रखा। फैशन से बाहर भी बिजनेसः अरमानी सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने मिलान और दुबई में लग्जरी होटल्स खोले, रेस्टोरेंट चलाए, कॉस्मेटिक्स और परफ्यूम्स लॉन्च किए और यहां तक कि इंटीरियर डिजाइन में भी हाथ आजमाया। उनका ब्रांड हर जगह छाया रहा। किंग जियोर्जियो से मशहूरः अरमानी को लोग 'रे जियोर्जियो' (किंग जियोर्जियो) बुलाते थे, लेकिन वो अपनी पर्सनल लाइफ को बहुत निजी रखते थे। उनके बारे में ज्यादा गॉसिप सुनने को नहीं मिलती थी। जियोर्जियो अरमानी अपने फॉल-विंटर 1980 रेडी-टू-वियर कलेक्शन को फाइनल करते हुए। महिलाओं के लिए पावर ड्रेसिंगः अरमानी ने औरतों के लिए पैंटसूट्स को पॉपुलर किया, जिसने वर्कप्लेस में महिलाओं को कॉन्फिडेंस दिया। उनके डिजाइन्स में सिंप्लीसिटी और पावर का ऐसा मेल था कि केट ब्लैंचेट, जूलिया रॉबर्ट्स जैसी स्टार्स उन्हें काफी पसंद करते थे। बास्केटबॉल का शौकः अरमानी को फैशन के अलावा स्पोर्ट्स खासकर बास्केटबॉल का बड़ा शौक था। उन्होंने इटली की बास्केटबॉल टीम 'ओलंपिया मिलानो' को स्पॉन्सर किया और उनके लिए यूनिफॉर्म्स भी डिजाइन किए।50 साल तक टॉप परः 1975 में अपनी कंपनी शुरू करने के बाद अरमानी 50 साल तक फैशन की दुनिया में छाए रहे। 2025 में उनकी कंपनी की वैल्यू करीब 10 बिलियन यूरो थी। सेकेंड-हैंड मार्केट में भी जलवाः अरमानी के कपड़े इतने टाइमलेस हैं कि आज भी उनके पुराने डिजाइन्स सेकेंड-हैंड मार्केट में काफी फेमस हैं। लोग उनके 80-90 के दशक के सूट्स को भी काफी पसंद करते हैं।सर्जियो का साथः अरमानी के पार्टनर सर्जियो गैलियोटी ने उनकी जिंदगी और करियर में बड़ा रोल निभाया। 1985 में सर्जियो की मौत के बाद अरमानी ने अकेले ही कंपनी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, लेकिन वो हमेशा सर्जियो को अपनी प्रेरणा मानते थे।1975 में अपने शुरुआत के बाद उनकी पहली मेंस वियर कलेक्शन अमेरिका में खूब पसंद किया गया। इसके बाद उनकी वुमेन्सवियर कलेक्शन ने औरतों के लिए पावर ड्रेसिंग को नया अंदाज दिया। उनके डिजाइन्स में सादगी, सुकून और शान का गजब का तालमेल था। 1980 की फिल्म 'अमेरिकन जिगोलो' में रिचर्ड गेयर के लिए बनाए उनके कपड़ों ने उन्हें काफी पहचान दी।अरमानी ने पुरुषों के सूट को हल्का और आरामदायक बनाया। उनकी पैंटसूट्स ने वर्कप्लेस में महिलाओं को नया कॉन्फिडेंस दिया। 2025 में विंबलडन में केट ब्लैंचेट ने उनके सिल्क टू-पीस सूट में सबका ध्यान खींचा। जूलिया रॉबर्ट्स, लियोनार्डो डिकैप्रियो जैसे स्टार्स ने उनके कपड़े पहनकर रेड कार्पेट पर वॉक किया।

बॉयफ्रेंड पजेसिव था तो ब्रेकअप कर लिया,अब वो अमीर हो गया है तो उसे मिस कर रही हूं, क्या मेरी फीलिंग सही है?

नयी दिल्ली। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल

साइकोलॉजिस्ट, नोएडा से सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मैं 28 साल की हूं और करीब दो साल तक एक रिलेशनशिप में थी। मैंने उस रिश्ते को निभाने की बहुत कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। मेरा बॉयफ्रेंड मुझसे बहुत प्यार करता था, लेकिन वो जरूरत से ज्यादा ही प्रोटेक्टिव और शक्की मिजाज था। वो हर वक्त यह जानना चाहता था कि मैं कहां हूं, किससे बात कर रही हूं, क्या पहन रही हूं, यहां तक कि सोशल मीडिया पर किससे कनेक्ट हूं। धीरे-धीरे मुझे लगने लगा कि ये प्यार नहीं, एक तरह का कंट्रोल है। कई बार हमने इस बात को लेकर बहस की, पर कुछ सुधरा नहीं। आखिरकार मैंने ब्रेकअप कर लिया। ब्रेकअप के बाद भी मैं पूरी तरह उबर नहीं पाई। मैं कभी-कभी उसकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल देखती थी। कुछ दिन पहले मुझे पता चला कि उसने लैंड रोवर गाड़ी खरीदी है। पता चला कि उसकी फैमिली के जो खेत थे, वहां से हाईवे निकला है। पहले वो एक साधारण मिडिल क्लास लड़का था, लेकिन अब रातोंरात करोड़पति हो गया है। उसके इंस्टाग्राम से पता चलता है कि वो काफी एलीट लाइफ स्टाइल इंजॉय कर रहा है। आए दिन क्लबिंग और पार्टी चल रही है। ये जानकर मन में अजीब-सा अफसोस हुआ। अब जब वो इतना अमीर हो गया है तो मैं उसकी जिंदगी में नहीं हूं। मुझे

समझ नहीं आ रहा है- क्या मैं उसे सच में मिस कर रही हूं या फिर उसके अमीर होने की खबर से मुझे दुख हो रहा है। क्या ये फीलिंग्स नॉर्मल हैं? क्या मुझे उससे माफी मांगकर दोबारा कोशिश करनी चाहिए? जवाबः सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप अकेली नहीं हैं। आपने जो महसूस किया और जो सवाल पूछे, वो बहुत से लोग अपने दिल में सोचते हैं। 28 साल की उम्र में आपने दो साल तक एक रिश्ते को दिल से निभाया। ये आसान नहीं होता, खासकर तब जब वो रिश्ता आपको खुशी की जगह घुटन देने लगे। आपने हिम्मत दिखाई और खुद को उस टॉक्सिक रिलेशनशिप से बाहर निकाला, ये बहुत बड़ी बात है। अपने लिए ऐसा फैसला लेना हर किसी के बस की बात नहीं होती। अब जो आप महसूस कर रही हैं- वो बेचैनी, वो अफसोस ये सब इंसान होने की निशानी है। जब हम किसी के साथ इतना वक्त बिताते हैं और फिर वो हमारी जिंदगी से चला जाता है, तो उसकी लाइफ के अपडेट्स सुनकर मन में उथल-पुथल होना आम बात है। खासकर तब, जब वो इंसान अचानक बहुत आगे बढ़ जाता है। क्या आप सच में उसे मिस कर रही हैं या कुछ और है? हम सब अच्छी जिंदगी के सपने देखते हैं। ऐसी जिंदगी, जिसमें पैसों की टेंशन न हो, शानदार गाड़ियां हों, छुट्टियों की प्लानिंग हो और हर दिन खुशी से बीत रहा हो। जब आप अपने एक्स की नई जिंदगी देखती हैं, उसकी लैंड रोवर, उसकी पार्टियां, तो शायद आपको लगता है कि काश, मैं भी उसकी जिंदगी का हिस्सा होती। ये सोचना बिल्कुल नॉर्मल है। लेकिन सवाल ये है कि क्या आप उसे सचमुच मिस कर रही हैं या उसकी नई चमक-दमक को? अगर वो आज भी वही मिडिल-क्लास लड़का होता, जिसके पास न गाड़ी होती, न पैसे होते तो क्या तब भी आप उसे इतना याद करतीं? शायद नहीं। इसलिए हो सकता है कि आपका दुख उसके जाने का कम और उसकी नई जिंदगी का हिस्सा न होने का ज्यादा हो। आपने जो बताया, उससे यह स्पष्ट है कि वो रिश्ता आपके लिए सही नहीं था। प्यार में इंसान को अपने पार्टनर की फिक्र होती है, पर किसी को हर कदम पर कंट्रोल करना प्यार नहीं होता। वो हर वक्त आप पर नजर रखता था, कहां जा रही हो, क्या पहन रही हो, किससे बात कर रही हो। ये सब सुनने में प्यार जैसा लग सकता है, पर असल में ये घुटन की तरह महसूस होता है। अगर वो आपके लिए सही इंसान होता तो आपको उससे दूर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। आप खुश रहतीं, अपने फैसले ले पातीं और वो आप पर भरोसा करता। लेकिन ऐसा नहीं था। इसलिए ब्रेकअप आपकी गलती नहीं थी, बल्कि ये आपका सबसे समझदारी भरा कदम था। अब उसकी अमीरी को देखकर ये मत सोचिए कि आपने गलत किया। पैसा जिंदगी को आसान बना सकता है, पर रिश्ते को नहीं। अगर वो पहले कंट्रोलिंग था, तो पैसा आने से उसका स्वभाव नहीं बदलेगा।आपका दो साल का रिलेशनशिप था। इतने वक्त में बहुत सारी यादें बन जाती हैं। ऐसे में उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है, ये जानने का मन करना स्वाभाविक है। इंस्टाग्राम पर उसकी नई-नई तस्वीरें देखना आपके लिए एक आदत बन गई होगी। लेकिन सच ये है कि सोशल मीडिया पर लोग सिर्फ अपनी अच्छी चीजें दिखाते हैं। उसकी गाड़ी, उसकी पार्टियां- ये सब उसकी जिंदगी का एक छोटा हिस्सा है। उसकी असली जिंदगी में क्या चल रहा है, ये कोई नहीं जानता। हो सकता है कि वो अंदर से खुश भी न हो। अगर उसकी प्रोफाइल बार-बार देखकर परेशान हो रही हैं तो ये एक संकेत है कि आपको इससे बाहर निकलने की जरूरत है। इस बेचैनी से कैसे निकलें? अब बात करते हैं कि आप इस उलझन से बाहर कैसे आ सकती हैं। कुछ आसान तरीके हैं- सोशल मीडिया से ब्रेक लें- उसकी प्रोफाइल देखना बंद करें। अगर मुश्किल हो तो उसे म्यूट या ब्लॉक कर दें। ये आपके लिए बेहतर है, न कि उसे सजा देने के लिए। पुरानी बातें याद करें- एक कागज पर लिखें कि आपने ब्रेकअप क्यों किया। जब भी उसका ख्याल मन में आए तो इस कागज के टुकड़े को पढ़ें। ये आपको सच्चाई याद दिलाता रहेगा। खुद को वक्त दें- दोस्तों के साथ समय बिताएं, कोई नया शौक शुरू करें। जो वक्त आप उसकी प्रोफाइल देखने में लगाती हैं, उसे किसी ऐसे काम में लगाएं, जिससे आपको खुशी मिले। किसी से बात करें- अगर मन बहुत भारी हो तो किसी दोस्त या काउंसलर से बात करें। अपने एहसासों को बाहर निकालना जरूरी है।आपने पूछा कि क्या आपको उससे माफी मांगकर रिश्ता फिर से जोड़ना चाहिए। इस सवाल पर मेरा जवाब है, बिल्कुल नहीं। आपने कुछ गलत नहीं किया है। एक टॉक्सिक रिलेशनशिप से निकलना आपका हक था। अगर आप माफी मांगेंगी, तो इससे आपके मन में अपने लिए ही इज्जत कम हो जाएगी। पैसा किसी इंसान के दिल या बर्ताव को नहीं बदलता। वो पहले जैसा था, शायद आज भी वैसा ही होगा। खुद को ये मत समझाइए कि शायद अब सब ठीक हो जाएगा। आपकी जिंदगी उससे बेहतर चीजों की हकदार है।आप जो महसूस कर रही हैं, वो गलत नहीं है। लेकिन ये समझना जरूरी है कि ये एहसास कहां से आ रहे हैं। आपने अपने लिए सही फैसला लिया था और आज भी आपको उस पर टिके रहना चाहिए। वक्त के साथ ये दुख कम हो जाएगा। आप अपनी जिंदगी में आगे बढ़ेंगी, इसमें आपके हिस्से न सिर्फ खुशी होगी, बल्कि सुकून भी होगा। सही रिश्ता वो नहीं जो आपको गाड़ी या पैसा दे, बल्कि जिसमें आपको आजादी और प्यार मिले। खुद पर भरोसा रखें। आप बहुत अच्छा कर रही हैं।

प्रतीकात्मक तस्वीर

विधु चोपड़ा हुए 73 के, पिता बोले मुंबई में भूखा मर जाएगाःफ्लॉप होने पर सुसाइड के ख्याल आए, फिर ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाकर रचा इतिहास

मुंबई। विधु विनोद चोपड़ा अपने पिता की इच्छा के विरुद्ध डायरेक्टर बने। पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन विधु ने फिल्म इंडस्ट्री में आने का सपना देखा और पिता की असहमति और थप्पड़ खाने के बावजूद मुंबई आकर अपना करियर शुरू किया। हालांकि, पहली फिल्म 'सजा ए मौत' नहीं चली तो सुसाइड के ख्याल आए, लेकिन आज विधु

चोपड़ा की गिनती ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले मेकर के तौर पर होती है।आईएफपी फेस्टिवल के दौरान विधु विनोद चोपड़ा ने बताया था कि उनके पिता नहीं चाहते थे कि वे फिल्म इंडस्ट्री में आएं। विधु विनोद चोपड़ा के पिता डी.एन. चोपड़ा चाहते थे कि वे डॉक्टर बनें। विधु चोपड़ा ने कहा था- जब मैंने अपने पिता को बताया कि मैं फिल्में बनाना चाहता हूं तो उन्होंने मुझे थप्पड़ जड़ दिया और कहा कि भूखा मर जाएगा। मुंबई में कैसे रहेगा? उनके पास मुझे फिल्म स्कूल भेजने के पैसे नहीं थे। मैंने खूब मेहनत की। मैंने इकोनॉमिक्स ऑनर्स में कश्मीर यूनिवर्सिटी में टॉप किया, ताकि मुझे भारत सरकार की तरफ से नेशनल स्कॉलरशिप मिले।विधु विनोद चोपड़ा को 250 रुपए नेशनल स्कॉलरशिप में मिले। उन रुपयों के साथ विधु पुणे स्थित फिल्म इंस्टीट्यूट (इऊघ्घ) में गए। वहां डिप्लोमा के दौरान विधु ने शॉर्ट फिल्म 'मर्डर एट मंकी हिल' बनाई जिसे नेशनल अवॉर्ड मिला था।उनकी एक डॉक्यूमेंट्री 'एन एनकाउंटर विद फेसेस' ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुई थी। विधु विनोद चोपड़ा कहते हैं- जब मेरी पहली फिल्म ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुई थी, मैंने अपने पिता को फोन किया और बताया कि मेरी फिल्म ऑस्कर में जा रही है। उन्होंने कहा बहुत अच्छी बात है, लेकिन पैसे कितने मिल रहे हैं। एनडीटीवी के साथ बातचीत के दौरान विधु विनोद चोपड़ा ने बताया था कि पहली फीचर फिल्म 'सजा ए मौत' ने बहुत अच्छा परफॉर्म नहीं किया था। इस कारण वे निराश हो गए थे। यहां तक कि उन्होंने खुदकुशी करने का फैसला कर लिया था, लेकिन परिवार के लिए उन्होंने अपने कदम पीछे ले लिए थे।बता दें कि 'सजा ए मौत' 1981 में रिलीज हुई थी। जिसमें नसीरुद्दीन शाह ने एक्टिंग की थी। यह फिल्म विधु विनोद चोपड़ा की ही शॉर्ट फिल्म 'मर्डर एट मंकी हिल' की रीमेक थी। 20 मिनट की इस शॉर्ट फिल्म को विधु ने एफटीआईआई में डिप्लोमा के दौरान 1976 में बनाया था। इस फिल्म में विधु ने खुद एक्टिंग भी की थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म नहीं किया था।'मर्डर एट मंकी हिल' को सर्वश्रेष्ठ प्रायोगिक लघु फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। हालांकि, राष्ट्रपति के हाथों नेशनल अवॉर्ड मिलने के बाद विधु दुखी हो गए थे। इतना ही नहीं, लालकृष्ण आडवाणी पर भी गुस्सा हो गए थे। इस बात की चर्चा विधु विनोद चोपड़ा ने दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान की थी। विधु ने कहा था- मुझे नेशनल अवॉर्ड के साथ चार हजार रुपए भी मिलने थे। मैं अवॉर्ड लेने दिल्ली के विज्ञान भवन पहुंचा था। नीलम संजीव रेड्डी उस वक्त देश के राष्ट्रपति थे। मुझे उनके हाथों अवॉर्ड मिलना था। स्टेज पर पहुंचकर मैंने महामहिम के हाथों पुरस्कार प्राप्त किया, साथ में एक लिफाफा भी मिला। हालांकि, उस लिफाफे में पैसे नही थे, बस एक पोस्टल लेटर था, जिसमें लिखा था कि ये पैसे सात साल बाद मिलेंगे। मुझे काफी ताज्जुब हुआ।लालकृष्ण आडवाणी उस वक्त देश के सूचना और प्रसारण मंत्री थे। मैंने उनसे अपनी समस्या बताई। मेरी बात सुनकर उनका पारा हाई हो गया। उन्होंने मुझे अगले दिन शास्त्री भवन बुलाया। मैं अगले दिन सुबह 11 बजे वहां पहुंचा। आडवाणी जी पूरे गुस्से में थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के सामने आपको कैसे व्यवहार रखना है, पता नहीं है। मुझे भी गुस्सा आ गया। मैंने आडवाणी जी से कहा- सर क्या आपने नाश्ता किया है? उन्होंने हां में सिर हिलाया। मैंने कहा- आपने जरूर नाश्ता किया होगा, लेकिन मैंने नहीं किया।इन पैसों की मुझे इस कदर जरूरत है कि मैं खाली पेट ही यहां तक आ गया। तब आडवाणी जी शांत हुए, उन्होंने पूछा- क्या खाओगे। मैंने कहा कि पराठे और अंडे खाऊंगा। उन्होंने मेरे लिए खाना ऑर्डर किया। मैंने आडवाणी जी के साथ उनके टेबल पर बैठ कर पराठे और ऑमलेट खाया। इसके बाद मुझे वो चार हजार रुपए भी मिल गए। यह मेरे जीवन की पहली कमाई थी।शॉर्ट फिल्म 'मर्डर एट मंकी हिल' के बाद विधु विनोद चोपड़ा की एक डॉक्यूमेंट्री 'एन एनकाउंटर विद फेसेस' ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुई थी। विधु ने बताया था- मुझे अखबार के जरिए पता चला कि मेरी फिल्म ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुई है। मेरे पास पासपोर्ट, वीजा और पैसे वगैरह कुछ नहीं थे। दो-तीन दिन बाद अवॉर्ड्स आयोजित होने थे। मैं फिर लालकृष्ण आडवाणी जी के पास पहुंचा। मैंने उनसे अपनी व्यथा बताई। उन्होंने मुझे बिना पुलिस वेरिफिकेशन के 6 महीने के लिए पासपोर्ट दिलाया, साथ ही रहने-खाने के लिए दिन के 20 डॉलर भी दिलवाए। इसके अलावा एअर इंडिया का एक टिकट भी मुहैया कराया।इसके बाद अमेरिकी दूतावास में जाकर मैंने वीजा के लिए हाथ-पांव जोड़े। उन्होंने मुझे तीन महीने का वीजा इश्यू किया। इसके बाद मैं अगले दिन अमेरिका के लिए निकल गया। ऑस्कर अवॉर्ड्स के दौरान मेरी मुलाकात गॉडफादर के डायरेक्टर फ्रांसिस फोर्ड कोपोला से हुई। उनके सामने बोलने की मेरी हिम्मत नहीं हो रही थी। कुछ देर बाद मेरी उनसे बात हुई, वो मुझसे काफी प्रभावित हुए। उन्होंने मुझे अपने साथ काम करने का ऑफर भी दिया।बहरहाल, 'सजा ए मौत' के बाद विधु ने डायरेक्टर कुंदन शाह की फिल्म 'जाने दो भी यारो' में प्रोडक्शन कंट्रोलर का काम किया। एक दिन क्लाइमैक्स सीन के दौरान ही महाभारत के एक सीन की शूटिंग भी हो रही थी। तब 500 रुपए में दुःशासन का रोल कर रहे एक्टर ने अचानक से दो हजार रुपए मांग लिए और वो मानने को तैयार नहीं था। उस समय विधु के पास पैसों की कमी थी। विधु खुद ही दुःशासन के गेटअप में सेट पर पहुंच गए थे। 1986 में विधु ने अमोल पालेकर, नसीरुद्दीन शाह और शबाना आजमी को लेकर 'खामोश' बनाई। फिर 'परिंदा' और '1942 ए लव स्टोरी' 'मिशन कश्मीर' जैसी बेहतरीन फिल्में डायरेक्ट करने के बाद विधु चोपड़ा ने मुन्नाभाई एमबीबीएस, 3 इडियट्स, पीके और संजू जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाईं। उन्होंने 2020 में शिकारा के साथ 13 साल बाद डायरेक्शन में वापसी की और इसके बाद फिल्म 12ए फेल बनाई।विधु विनोद चोपड़ा ने अमिताभ बच्चन को लेकर फिल्म 'एकलव्यः द रॉयल गार्ड' भी बनाई थी। जब विधु ने अमिताभ को 4.5 करोड़ रुपए की रोल्स रॉयस कार भेंट की तब उनकी मां ने थप्पड़ मार दिया था। जब विधु चोपड़ा ने अमिताभ को लग्जरी कार गिफ्ट की थी तब वह खुद मारुति से चलते थे। बातचीत के दौरान विधु चोपड़ा ने बताया था- अमिताभ बच्चन ने मेरी पहली फिल्म देखी थी, उस वक्त से ही वो मेरे साथ काम करना चाहते थे। चूंकि वो बहुत बड़े स्टार थे, इसलिए मैं भी उनके साथ काम करना चाहता था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।